रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को चुनावी रैली में कहा कि अगर पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बंद कर दे तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 126 दिनांक:09-09-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

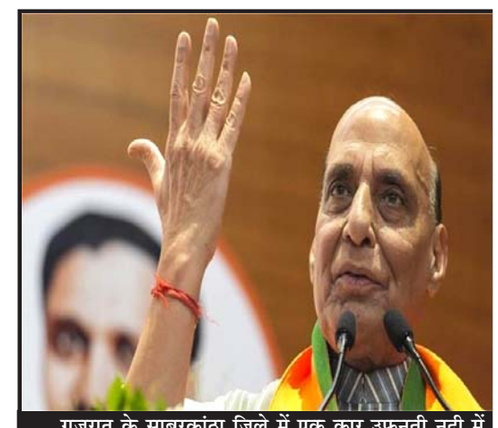

गुजरात के साबरकांठा जिले में एक कार उफनती नदी में फंस गई और उसमें सवार दंपति ने दो घंटे अपनी कार की छत पर किसी तरह खड़े रहकर अपनी जान बचाई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

आठ फीसदी ज्यादा हुई बारिश,15 अक्टूबर तक विदा हो जाएगा मानसून

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत के मौसम में विभिन्नता के चलते यहां बारिश में भी समानता नहीं दिखती है। इसे पांच अहम कैटेगरी में बांटा जा सकता है। बहुत कम बारिश (-99 से -60 फीसदी), कम बारिश (-59से -20 फीसदी), सामान्य (-19 से 19 फीसदी), अधिक बारिश (20 से 60 फीसदी) और बहुत अधिक बारिश (60 से 99 फीसदी)। इस साल की बात करें तो किसी भी राज्य में न तो बहुत कम बारिश हुई है या बहुत अधिक बारिश हुई है। हालांकि कुछ राज्यों में बारिश में कमी जरूर दर्ज की गई है। मणिपुर में औसत से माइनस 30 फीसदी, बिहार में माइनस 26 फीसदी, पंजाब में माइनस 23 फीसदी और जम्मू-कश्मीर में माइनस 20 फीसदी बारिश कम हुई है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में माइनस 21 फीसदी और अरुणाचल प्रदेश में माइनस 22 फीसदी की कमी हुई है। भारत में मॉनसून खत्म होने का समय आ रहा है। हालांकि सितंबर के आखिर तक इसका असर रहने का अनुमान है। आमतौर पर मॉनसून 17 सितंबर से सिमटना शुरू होता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह चला जाता है। हालांकि यह तारीखें निश्चित नहीं हैं और इनमें बदलाव होता रहता है।

उदाहरण के तौर पर पिछले साल 25 सितंबर से मॉनसून का सिमटना शुरू हुआ था। इस साल भी कुछ ऐसा ही पैटर्न बनता दिखाई दे रहा है। ऐसे में मॉनसून के लंबे होने के आसार बन रहे हैं। सात सितंबर तक देश में औसत से अधिक 8 फीसदी बारिश रिकॉर्ड हुई है, लेकिन कुछ राज्यों में इसका वितरण असमान है। राजस्थान में 57 फीसदी अधिक बारिश हुई है, जो यहां के लिए जरूरी था। वहीं, मणिपुर में औसत बारिश 30 फीसदी कम रही है, जो वॉटर लेवल और किसान के लिए खतरे की घंटी है। कुछ अन्य राज्यों में सामान्य, लेकिन औसत से कम बरसात हुई है। इनमें उत्तर प्रदेश में औसत से माइनस 14 फीसदी, असम में माइनस 13 फीसदी, हरियाणा और केरल में माइनस 10 फीसदी कम बारिश हुई है। इसके अलावा ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मिजोरम और मेघालय में भी कुछ ऐसा ही हाल है। दूसरी तरफ दिल्ली अधिक बारिश के बिल्कुल कगार पर खड़ा है। यहां पर औसत से 19 फीसदी अधिक बारिश हुई है। जबकि 7 फीसदी अधिक बारिश के साथ मध्य प्रदेश भी इसी श्रेणी में है। इसके विपरीत, कई राज्यों में प्रचुर वर्षा दर्ज की गई। राजस्थान 57 प्रतिशत अधिक बारिश के साथ सबसे आगे है। इसके बाद तमिलनाडु और गुजरात दोनों 51 फीसदी, का नंबर आता है।

टैक्स पैयर्स की भी हो जातिगत गणना, सभी राज्यों में चलेगा अभियान

-सीटीआई ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर की मांग

नई दिल्ली,(ईएमएस)। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि टैक्स पैयर्स की भी जातिगत गणना होनी चाहिए। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने कहा कि जातिगत सर्वे के साथ यह डेटा भी जुटाना चाहिए कि किस जाति के लोग कितना टैक्स सरकार को देते हैं।

सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर पीएम मोदी को पत्र लिखा गया है। सीटीआई की तरफ से सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी पत्र भेजा जाएगा। इसके पीछे सीटीआई का मकसद है कि लोगों को पता चलना चाहिए कि अर्थव्यवस्था चलाने में किस जाति के लोगों की कितनी भूमिका है? कौन सबसे ज्यादा टैक्स देता है? क्या सरकार उनके हितों को ध्यान में रखकर नीति बनाती है?

सीटीआई महासचिव विष्णु भार्गव और गुरमीत अरोड़ा ने बताया कि सरकार के पास इनकम टैक्स और जीएसटी संबंधी सभी तरह का डेटा है। करदाताओं की सूची भी जाति आधारित जारी होनी चाहिए। आज तक यह पता नहीं चल पाया कि कौन सी जाति सरकार को कितना राजस्व देती है? जो भी जाति सबसे अधिक राजस्व देती है, उसके लिए भी नीतियां, बीमा, पेंशन, मेडिकल सुविधाएं होनी चाहिए।

सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल के मुताबिक इस पहल को देश के अलग-अलग व्यापारी संगठनों का समर्थन मिल रहा है। वह इस पूरे मुद्दे को लेकर देशभर के अलग-अलग राज्यों में व्यापारियों के साथ मिलकर अभियान भी चलाएंगे। बृजेश गोयल ने कहा कि ट्रेडर्स कम्युनिटी में इस पर जोरों की चर्चा चल रही है, हजारों व्यापारियों ने सीटीआई की इस मांग का समर्थन किया है।

पाक सरकार पीओके के लोगों को विदेशी कहती है, जबकि भारत उन्हें अपना नागरिक मानता है - राजनाथ सिंह

श्रीनगर (ईएमएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू संभाग के रामबन जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान सरकार पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों को विदेशी कहती है, जबकि भारत उन्हें अपना नागरिक मानता है। हाल ही में एक हलफनामे में पाकिस्तान के सॉलिसिटर जनरल ने पीओके के लोगों को विदेशी कहा था। हम उन्हें विदेशी नहीं कहते। वे हमारे लोग हैं। उन्हें आकर हमारे साथ जुड़ने दीजिए। जम्मू-कश्मीर में सरकार बनने के बाद, पीओके के लोग भारत में आकर शामिल होना चाहेंगे।

राजनाथ सिंह ने भाजपा-पीडीपी गठबंधन सरकार का जिक्र करते हुए कहा, महबूबा के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, हमने नाबालिगों और निर्दोष लोगों के खिलाफ मामले वापस ले लिए थे, लेकिन समस्या यह थी कि पीडीपी अलगाववादियों के प्रति सहानुभूति रखती थी। मैं हमेशा उनसे जमीनी हालात को नियंत्रण में लाने के लिए कहता था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकीं। जम्मू-कश्मीर के लोग भारत के स्वतंत्र नागरिक हैं और उन्हें शांति तथा समृद्धि का अधिकार है। राजनाथ सिंह ने कहा, उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि अफजल गुरु को फांसी नहीं दी जानी चाहिए थी। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या वह चाहते थे कि अफजल गुरु को माला पहनाई जाए?

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरा देश इस चुनाव के नतीजों पर नजर रख रहा है। मैं हाल ही में अमेरिका गया था और वहां प्रवासी भारतीयों ने मुझसे पूछा कि इन चुनावों में क्या होगा? मैंने उनसे कहा कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा, यहां आने पर मैंने डॉ। जितेंद्र सिंह से जमीनी हालात के बारे में पूछा और उन्होंने मुझे बताया कि भाजपा के पक्ष में ऐसा अनुकूल राजनीतिक माहौल उनकी उम्मीदों से कहीं अधिक है। पहले जब भी कश्मीर में 2, 6 या 10 प्रतिशत मतदान होता था, तो यह बड़ी खबर बन जाती थी। लोकसभा चुनाव में 58 प्रतिशत मतदान हुआ और लद्दाख में यह 72 प्रतिशत हो गया।

रक्षा मंत्री ने कहा, पहली बार यहां बिना किसी डर और बिना किसी पक्षपात के चुनाव हुए। यह एक बड़ा बदलाव है। जम्मू-कश्मीर के लोग मेहनती और प्रतिभाशाली हैं। अगर भाजपा अगले 10 साल तक जम्मू-कश्मीर पर शासन करती है, तो जम्मू-कश्मीर भारत का सबसे समृद्ध स्थान होगा। उन्होंने दावा किया, जब से मोदी जी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला है, हमारी अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से बढ़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। स्वतंत्र आर्थिक सर्वेक्षण और मीडिया रिपोर्टें अब स्वीकार करती हैं कि भारत 2027 में अमेरिका और चीन के बाद जीडीपी के मामले में तीसरा सबसे बड़ा देश होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भाजपा को यहां सरकार बनाने का मौका दीजिए और हम 10 साल में इस जगह की सूरत बदल देंगे। हमने पिछले 10 साल में जमीनी हालात पहले ही बदल दिए हैं। यहां तक कि कश्मीर में ताजिया (मुहर्रम) जुलूस की भी इजाजत नहीं थी और हमने यह जुलूस निकाला। उन्होंने आगे दावा किया, आज किसी में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह पिस्तौल चला सके या लाल चौक पर पत्थर फेंक सके। देश को दृढ़ इच्छाशक्ति वाले प्रधानमंत्री की जरूरत है और हम भाग्यशाली हैं कि मोदी जी के रूप में हमारे पास ऐसा प्रधानमंत्री है। जम्मू-कश्मीर में महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थी, सफाई कर्मचारी, वाल्मीकि समाज और अन्य लोग विधानसभा चुनाव में मतदान करें। हमने पंचायतों और शहरी निकायों में ओबीसी आरक्षण सुनिश्चित किया है।

देश को मिलेंगी 10 और वंदे भारत ट्रेनें, पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली (ईएमएस)। 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड के जमशेदपुर से देश के अलग-अलग राज्यों के लिए 10 बंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। जानकारी के अनुसार पीएम मोदी पहली बार एक साथ 10 वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। ये 10 वंदे भारत ट्रेन देशभर अलग अलग रेलवे स्टेशन से चलाई जाएगी।

रेलवे बोर्ड से निकली आदेश के अनुसार देशभर के जिन राज्यों को ये वंदे भारत ट्रेन मिली है वो हैं झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और उत्तरप्रदेश । इनमें जो 10 वंदे भारत ट्रेन 15 सितंबर से चलाई जाएगी उनमें से सबसे ज्यादा बिहार से गुजरेगी। गौरतलब है कि झारखंड में आने वाले दिनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

असम में जनसंख्या से ज्यादा आधार बनवाने वाले आवेदन आए, सीएम बोले-अब आसानी से नहीं बनेंगे कार्ड

गुवाहटी(ईएमएस)। असम में घुसपैठियों पर लगाम कसने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठा है। अब यहां आधार कार्ड बनवाना आसान नहीं होगा। खुद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने घोषणा की कि राज्य में नए आधार कार्ड के लिए आवेदन करने वालों को नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन (एनआरसी) एप्लीकेशन रिसीप्ट नंबर जमा करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि इससे अवैध प्रवासियों को जारी किए जा रहे पहचान पत्र पर रोक लगेगी। पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि आधार कार्ड के लिए आवेदनों की संख्या राज्य की आबादी से ज्यादा हो गई है। जिससे संभावित धोखाधड़ी वाले आवेदनों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कम-से-कम चार जिलों में आधार कार्ड धारकों की संख्या अनुमानित आबादी से ज्यादा है जो चिंताजनक है।उन्होंने कहा, आधार कार्ड के लिए आवेदनों की संख्या जनसंख्या से अधिक है। जिससे मालूम होता है कि राज्य में संदिग्ध नागरिक हैं और हमने तय किया है कि नए आवेदकों को अपना एनआरसी एप्लीकेशन रिसीप्ट नंबर जमा करना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में नए आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया को सख्त करेंगे, असम में आधार कार्ड बनवाना अब आसान नहीं होगा। हमारे इस कदम का उद्देश्य अवैध रूप से राज्य में होने वाली घुसपैठ करने वाले आमद लोगों को रोकना है।

सीएम ने राज्य के कुछ जिलों में अनियमितताओं को सामने रखा और धुबरी जिले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, धुबरी जिले में जनसंख्या से ज्यादा आधार कार्ड जारी किए गए हैं, हो सकता है कि कुछ संदिग्ध लोगों ने आधार कार्ड बनवाए हों।उन्होंने कहा कि अगले 10 दिनों में औपचारिक अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है, यदि आप एनआरसी के लिए आवेदन नहीं करते हैं तो आपको नई प्रक्रिया के तहत आधार कार्ड नहीं मिलेगा। हालांकि, ये नियम चाय बागान क्षेत्रों में लागू नहीं होगा।

बाकी अन्य जिलों में ये नियम एक अक्टूबर से सख्ती से लागू किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि एनआरसी एप्लीकेशन रिसीप्ट नंबर जमा करने की जरूरत उन 9.55 लाख लोगों पर लागू नहीं होगी, जिनके बायोमेट्रिक्स एनआरसी प्रक्रिया के दौरान लॉक कर दिए गए थे। इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त शर्त के आधार कार्ड दिया जाएगा। इसके अलावा सरमा ने राज्य में अवैध प्रवासियों की पहचान करने के प्रयासों को तेज करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और खुलासा किया कि पिछले दो महीनों में बांग्लादेश से आए कई लोगों को पकड़ा गया है और अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

कौन जिएगा और कौन नहीं, इसका फैसला अदालत करेगी या पुलिस?

-सुल्तानपुर एनकाउंटर पर अखिलेश के बाद अब राहुल गांधी की एंट्री

नई दिल्ली,(ईएमएस)। यूपी के सुल्तानपुर में पुलिस एनकाउंटर में हुई मौत को लेकर सियासी तेज हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी नेताओं ने इस एनकाउंटर पर सवाल खड़े उठाए हैं। इसमें अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भी एंट्री हो गई है। उन्होंने इस घटना को लेकर बीजेपी और योगी सरकार को घेरा है।

बता दें कि गुरुवार को एसटीएफ ने एक लाख के इनामी बदमाश को मार दिया था। आरोपी का नाम मंगेश यादव था जो सर्राफा व्यापारी के यहां दो करोड़ की लूट में शामिल था। राहुल गांधी ने इस एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीजेपी शासित राज्यों में 'कानून और संविधान' की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सुल्तानपर में हुए मंगेश यादव के एनकाउंटर ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि बीजेपी कानून पर विश्वास ही नहीं करती। मंगेश के परिवार के आंसू पूरे देश से सवाल पूछ रहे हैं-कौन जिएगा और कौन नहीं, इसका फैसला अदालत करेगी या पुलिस?

एसटीएफ जैसी प्रोफेशनल फोर्स को बीजेपी सरकार में 'आपराधिक गिरोह' की तरह चलाया जा रहा है, जिसपर केंद्र सरकार की चुप्पी 'ठोको नीति' पर उनकी स्पष्ट सहमति है। यूपी एसटीएफ के दर्जनों एनकाउंटर सवालों के घेरे में हैं। क्या आज तक उनमें से किसी भी अधिकारी पर कोई कार्रवाई हुई? आखिर कौन उन्हें बचा रहा है और क्यों? कैमरों के आगे संविधान को माथे से लगाना सिर्फ ढोंग है, जब आपकी सरकारें ही उसकी खुलेआम धज्जियां उड़ा रही हों। यूपी में हुए सभी संदिग्ध एनकाउंटर्स की निष्पक्ष जांच कर इंसाफ किया जाना चाहिए। वर्दी पर लगे खून की छींटें साफ होने चाहिए।

अखिलेश यादव ने भी सुल्तानपुर एनकाउंटर को लेकर यूपी सरकार पर पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि लूट कांड के अन्य आरोपियों के तो पैर में गोली मारी गई, लेकिन मंगेश की पुलिस से मुठभेड़ हुई तो उसकी जान ले ली। अखिलेश ने आरोप लगाया कि जाति देखकर जान ली है। सपा मुखिया ने एक्स पोस्ट में लिखा-लगता है सुल्तानपुर की डकैती में शामिल लोगों से सत्ता पक्ष का गहरा संपर्क था, इसीलिए तो नकली एनकाउंटर से पहले 'मुख्य आरोपी' से संपर्क साधकर सरेंडर करा दिया और अन्य लोगों के पैरों पर सिर्फ दिखावटी गोली मारी और 'जात' देखकर एक की जान ली गई।

बता दें कि बीते 28 अगस्त को सुल्तानपुर शहर में चौक क्षेत्र के ठठेरी बाजार में भरत सर्राफा के करोड़ों की लूट हुई थी। लुटेरों ने दो करोड़ से ज्यादा के गहने लूटे थे। इसी बीच एसटीएफ ने मंगेश यादव को एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। मृतक के परिजनों ने भी इस एनकाउंटर पर सवाल खड़े किए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय दल को सराहा

नई दिल्ली, 08 Sep

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय पैरा एथलीटों ने अपने इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कियाऔर सात स्वर्ण सहित कुल 29 पदक जीते। भारत ने तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में पांच स्वर्ण सहित 19पदक जीते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल की जमकर सराहना कीऔरइनखेलों को भारत के लिए विशेष और ऐतिहासिक बताया। पेरिस पैरालंपिक में भारतीय पैरा एथलीटों ने अपने इतिहास कासर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और सात स्वर्ण सहितकुल29पदक जीते। भारत ने तीन सालपहलेटोक्यो पैरालंपिक में पांच स्वर्ण सहित 19 पदक जीते थे। पेरिस पैरालंपिक कारविवारकोसमापनहोगा।स्पर्धाएं समाप्त होने के बाद समापन समारोह के साथ हीइनखेलों की समाप्ति हो जाएगी। भारत की ओर से प्रीति पाल और स्वर्ण पदक जीतने वाले पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह समापनसमारोह में भारत के ध्वजवाहक होंगे।

फिल्म इमरजेंसी को सेंसर बोर्ड ने यू /ए सर्टि फिकेट दिया, फिल्म में 10 बदलाव करने होंगे

मुंबई (ईएमएस)। बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने यू /ए सर्टिफिकेट दे दिया है। इस फिल्म के कई सीन पर सेंसर बोर्ड ने आपत्ति जताई है। अब इस फिल्म को कुछ बदलावों के बाद ही कुछ ही हफ्तों में रिलीज किया जायेगा। सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म से 3 सीन डिलीट करने के निर्देश दिए हैं। सेंसर बोर्ड ने कहा है कि फिल्म को रिलीज करने से पहले इसमें 10 बदलाव करने होंगे।

बता दे कि पहले फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होनी थी। लेकिन फिल्म को लेकर सिख संगठनों ने आपत्ति जताई थी, जिसके कारण सेंसर बोर्ड ने फिल्म का सर्टिफिकेट रोक दिया था। हालांकि सेंसर बोर्ड की तरफ से सर्टिफिकेट मिलने के बाद अभी तक सिख संगठनों की तरफ से या फिर फिल्म की अभिनेत्री कंगना की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बता दे कि इस फिल्म में दिखाए गए विवादित बयानों के लिए के लिए सेंसर बोर्ड ने उनसे जुड़े फैक्ट्स दिखाने को कहा है। सेंसर बोर्ड ने कंगना रानौत की मणिकर्णिका फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड को 10 बदलावों की लिस्ट भेजी है। इनमें अधिकतर दृश्य वे हैं, जिन पर सिख संगठनों की तरफ से आपत्ति जताई गई है।

फिल्म का विरोध कर रहे सिख संगठनों का आरोप है कि इस फिल्म में सिखों को आतंकी दिखाने का प्रयास किया गया। फिल्म के एक कैरेक्टर को जरनैल सिंह भिंडरांवाला भी बनाया गया है। सिख संगठनों का मानना है कि फिल्म में ब्लू स्टार ऑपरेशन को भी फिल्माया गया है, जो जरनैल सिंह भिंडरांवाला को खत्म करने के लिए ही चलाया गया था। इसके विरोध में हजारों सिखों ने मुंबई स्थित 4 बंगला गुरुद्वारे के बाहर इकट्ठा होकर खूब नारेबाजी की थी।

कांग्रेस-आप में गठबंधन का ऐलान आज

चंडीगढ़,(ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर लंबे समय से गठबंधन के लिए जारी कोशिश अब अंतिम चरण में हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन लगभग तय माना जा रहा है। बस औपचारिक ऐलान होने की देरी है। गठबंधन को लेकर शनिवार देर रात तक कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच बैठक चली थी। दोनों ही दल 9 सितंबर सोमवार को ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन का ऐलान कर सकते हैं।

सूत्रों की मानें तो कांग्रेस और आप में 4+1 फॉर्मूला यानी 5 सीट के ऑफर पर बात बन गई है। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनाव में आप-कांग्रेस के संयुक्त प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता ने कुरुक्षेत्र सीट से चुनाव लड़ा था, बदकिस्मति से वो हार गए। इस लोकसभा सीट के अंतर्गत 11 विधानसभा सीटें आती हैं। चूंकि गुप्ता ने लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली 4 विधानसभा सीट (गुहला चीका, पिहोवा, शाहाबाद और कलायत) पर जीत दर्ज की थी अत: कांग्रेस यह चारों सीट आप पार्टी को सौंप सकती है। इस स्थिति में कांग्रेस और आप के गठबंधन की घोषणा सोमबार को होने की संभावना बनी है।

बीजेपी ने बृजभूषण शरण सिंह को पहलवानों पर टिप्पणी करने से रोका

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीजेपी ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह से पहलवानों पर टिप्पणी करके कोई विवाद पैदा नहीं करने को कहा है। पूर्व बीजेपी सांसद पर विनेश फोगाट और साक्षी मलिक सहित देश के कुछ टॉप एथलीटों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की ओर इशारा करते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप कांग्रेस द्वारा रची गई साजिश है। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट चेहरे - मोहरे थे। उन्हें भूपिंदर हुड्डा, कांग्रेस और कांग्रेस परिवार ने मोहरों की तरह इस्तेमाल किया।

सूत्रों ने बताया कि बृजभूषण शरण सिंह की ताजा टिप्पणियों के बाद बीजेपी ने उनसे पहलवानों के खिलाफ कोई और टिप्पणी नहीं करने के लिए कहा है। हरियाणा से बड़ी संख्या में खिलाड़ी राष्ट्रीय टीमों में पहुंचते हैं। राज्य में एथलीटों के पास बड़ी संख्या में वफादार अनुयायी हैं। इसी वजह से बीजेपी ने अपने पूर्व सांसद को चुप रहने की चेतावनी दे दी है।

सूत्रों ने बताया कि बीजेपी पहलवानों के विरोध प्रदर्शन से जुड़ा कोई नया किस्सा नहीं देखना चाहती। उनके विरोध प्रदर्शन को हरियाणा में काफी समर्थन मिला था।

बीजेपी झूठा डर पैदा करके हिंदू मतदाताओं को डराना चाहती है

- नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने लगाए आरोप

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां पूरे जोर शोर से प्रचार में जुट गई हैं और अपने अपने दावों के साथ एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का दौर भी शुरु हो गया है। वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि बीजेपी के शीर्ष नेता झूठा डर पैदा करके जम्मू-कश्मीर के हिंदू मतदाताओं को डराना चाहते हैं और इसलिए अपना चुनाव अभियान जम्मू पर केंद्रित कर रहे हैं।

अब्दुल्ला ने कहा कि बीजेपी यह दावा करके लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है कि यदि नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन जम्मू-कश्मीर में सत्ता में आ गया तो आतंकवाद फिर से सिर उठा लेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी हिंदू भाइयों को डराना चाहती है। उन्हें लगता है कि हिंदू उन्हें वोट देंगे, लेकिन आज हिंदू बदल गया है। पहले उसने बीजेपी राम के नाम पर वोट मांगे और अब वे उन्हें डराकर वोट हासिल करना चाहती है। वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख मुहम्मद अब्दुल्ला की 42वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा बीजेपी धारा 370 को निरस्त कर दिया लेकिन क्या आतंकवाद खत्म हो गया? आतंकवाद दोबारा सिर उठा रहा है और इसकी पूरी जिम्मेदारी उन्हीं लोगों की है। अब्दुल्ला ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह कश्मीर को नजरअंदाज कर जम्मू में चुनाव प्रचार क्यों कर रहे हैं। जम्मू की अपनी यात्रा के दौरान शाह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की आलोचना किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि वह बस अपनी पार्टी को बदनाम करने की कोशिश कर रहे थे। वे सफल नहीं होंगे। हमारे प्रयास हमारे लोगों की भलाई के लिए काम करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। गृह मंत्री शाह हमारे बारे में जितना चाहें उतना बोल सकते हैं, लेकिन मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जो भारत वह बनाना चाहते हैं हम उसके खिलाफ हैं। भारत हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध सभी का है। हम नफरत नहीं मोहब्बत फैलाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि हम घुसपैठिए नहीं हैं। हम मंगलसूत्र नहीं छीन रहे हैं। भारत की आजादी में मुसलमानों ने भी बराबर का योगदान दिया है। जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने पर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन इसे वापस दिलाएगा। जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए बीजेपी के घोषणापत्र पर उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक जुमला है।

टीएमसी के राज्यसभा सांसद ने कोलकाता कांड में बंगाल सरकार के रवैये के विरोध में इस्तीफा दिया

कोलकाता (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने कोलकाता कांड में बंगाल सरकार के रवैये के विरोध में इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को चिट्ठी लिखकर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इस चिट्ठी में जवाहर सरकार ने अपनी ही पार्टी के 'कुछ खास लोगों' पर दबंग रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं को कटघरे में ला कर खड़ा कर दिया है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में जवाहर सरकार ने चिट्ठी में लिखा, मैं कुछ चीज़ें बर्दाश्त नहीं कर सकता जैसे भ्रष्ट अधिकारियों (या डॉक्टरों) को प्रमुख और शीर्ष पद मिलना। उन्होंने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ क्रूर बलात्कार और हत्या के बाद बंगाल में विरोध प्रदर्शनों और बवाल के बाद इस्तीफा दिया है। जवाहर सरकार ने कहा है कि जनता का आक्रोश टीएमसी सरकार के प्रति बढ़ते असंतोष को दर्शाता है। उन्होंने कहा है कि ममता बनर्जी की सरकार ने लोगों का विश्वास खो दिया है। उन्होंने कहा, इतने सालों में मैंने कभी सरकार के खिलाफ इस तरह का गुस्सा और अविश्वास नहीं देखा है।

जवाहर सरकार ने घटना पर सरकार की प्रतिक्रिया पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, आरजी कर अस्पताल में हुई भयानक घटना के बाद से मैं एक महीने से धैर्य रखने की कोशिश कर रहा हूं और ममता बनर्जी से आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों के साथ सीधे बातचीत की उम्मीद कर रहा था। ऐसा नहीं हुआ है और सरकार जो भी कदम उठा रही है वह काफी कम है और यह एक्शन बहुत देर से लिए गए हैं।

अपनी चिट्ठी में जवाहर सरकार ने कई महीनों तक बनर्जी से निजी तौर पर बात न कर पाने पर भी निराशा व्यक्त की। उन्होंने लिखा, आपने मुझे तीन साल तक संसद में बंगाल के मुद्दों को उठाने का अवसर दिया इसके लिए मैं फिर से आभार व्यक्त करता हूं लेकिन अब मैं सांसद के रूप में बिल्कुल भी काम नहीं कर सकता हूं। केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता और तानाशाही से लड़ने में कोई समझौता नहीं कर सकता।

आधार कार्ड के लिए अलग-अलग राज्यों के लिए अलग-अलग कानून की बात समझ से परे - जेडीयू

पटना (ईएमएस)। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए कहा है कि आधार कार्ड के लिए अलग-अलग राज्यों के लिए अलग-अलग कानून की बात समझ से परे है। उन्होंने कहा कि मैं जहां तक समझ पाता हूं कि आधार कार्ड राष्ट्रीय स्तर पर बनता है। इसके लिए देश के अंदर एक ही नीति है। एक देश, एक कानून की बात भी होती है। तो ऐसी स्थिति में आधार कार्ड के लिए बिहार में अलग मापदंड, असम में अलग मापदंड, पश्चिम बंगाल में अलग मापदंड हो, यह समझ में नहीं आता है।

उन्होंने एनआरसी जैसे गंभीर मुद्दे पर विभिन्न दलों की अलग-अलग राय है। तो ऐसे सवाल पर आपस में सहमति का रास्ता भी तो निकालना चाहिए। यह महत्वपूर्ण विषय है। अब मैं नहीं जानता कि आधार कार्ड बनाने के लिए एनआरसी नंबर का क्या मतलब है। ज्ञात रहे कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा था कि कुछ जिलों में आधार कार्ड बनवाने के लिए लोगों को एनआरसी नंबर देने होंगे। असम में अवैध घुसपैठ का मामला काफी पहले से चिंता का विषय रहा है। हाल ही में पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बीच घुसपैठियों की संख्या बढ़ गई है। इस पर प्रदेश सरकार लगातार नजर बनाए हुए है।

सरमा ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि असम के कुछ विशेष जिलों में जनसंख्या से अधिक लोगों ने आधार कार्ड का आवेदन किया है। इसलिए हम उन्हीं को आधार कार्ड जारी करेंगे, जिनके पास एनआरसी नंबर हो, ताकि घुसपैठियों को नागरिकता न मिले। असम सरकार के अनुसार, इस साल जनवरी से अब तक 54 घुसपैठिये पकड़े गए हैं। इनमें करीमगंज जिले में 48, बोंगईगांव जिले में चार, और हाफलोंग जीआरपी तथा धुबरी जिलों में एक-एक घुसपैठिया पकड़ा गया है। पकड़े गए लोगों में से 45 को उनके देश वापस भेज दिया गया, जबकि नौ को करीमगंज में गिरफ्तार कर लिया गया।

सीबीआई ने संदीप घोष के बॉडीगार्ड को किया गिरफ्तार, उठे कई सवाल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिं

जन हितैषी

मणिपुर में ट्रिपल इंजन की सरकार होते हुए भी हिंसा का समाधान क्यों नहीं?

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा में 06 लोगों की मौत हो गई। वर्तमान में भड़की हिंसा ने राज्य की स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बिष्णुपुर जिले में हुए ड्रोन और रॉकेट के हमले ने मणिपुर में दोनों समुदायों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है। इस प्रकार की घटनाएँ राज्य की आंतरिक एवं बाहय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गई है। मणिपुर की घटनाएं मानवता के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाती हैं। राज्य में मेतेई और कुकी समुदाय के बीच टकराव का लंबा सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्थानीय निवासियों के बीच अविश्वास और विभाजन की गहरी खाई ने राज्य में शांति की संभावनाओं को एक तरह से खत्म कर दिया है। दोनों ही समुदाय के बीच में विश्वास पैदा नहीं हो पा रहा है। मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। सरकार को समझना होगा, इस समस्या का समाधान सैन्य शक्ति से नहीं वरन दोनों समुदायों के बीच विश्वास और भाईचारा बढ़ाकर ही हो सकता है। इसके लिए राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर ठोस कदम उठाने होंगे। ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का उपयोग हिंसा में किया जा रहा है। जो चिंताजनक है। घातक हथियारों का इस्तेमाल नागरिक इलाकों में एक दूसरे समुदाय पर डर का माहौल बनाने के लिए किया जा रहा है। इससे स्थानीय लोग भयभीत हैं। उनका जीवन संकट में है। हजारों लोग हिंसा से प्रभावित होकर पिछले एक साल से शिवरों में रह रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं भूख और कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। सालभर से स्कूल कॉलेज बंद हैं। एक समुदाय के लोग दूसरे समुदाय के इलाकों में नहीं जा सकते हैं। अस्पतालों मे लोगों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। मणिपुर में जो अस्पताल हैं, उस अस्पताल में दूसरे समुदाय के डॉक्टर नर्सिंग स्टाफ इत्यादि सेवा के लिए नहीं जाते हैं। जिसके कारण अस्पतालों में इलाज नहीं हो रहा है। यही हालत लगभग-लगभग स्थानीय पुलिस की है। सुप्रीम कोर्ट ने एक साल पहले एसआईटी बनाई थी। सीबीआई जांच कर रही है। मुख्यमंत्री को अभी तक नहीं हटाया गया है। मणिपुर की राज्यपाल अनसुईया उइके का विश्वास दोनों समुदाय करते हैं, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा उन्हें शांति स्थापित करने की कोई भूमिका नहीं दी गई है। मुख्यमंत्री के ऊपर वहां की जनता का विश्वास नहीं है। इस झगड़े की जड़ सही मायने में वही हैं। रही सही कसर हिंदू संगठन व संघ के लोग पूरी कर देते हैं जो वहां उत्तेजना फैलाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। एक वर्ग विशेष को शासन का संरक्षण प्राप्त है। केंद्र सरकार को इस मामले में कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट भी आंख बंद करके नहीं बैठी रह सकती है। वर्तमान हिंसक घटनाएँ ना केवल मणिपुर की सुरक्षा बरन देश की बाहय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है। राज्य का आर्थिक और सामाजिक विकास भी बाधित है। इस प्रकार की हिंसा से मणिपुर राज्य के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों में भी अस्थिरता का माहौल बन गया है। जिससे राजनीतिक, सामाजिक, सुरक्षा, शिक्षा कानून व्यवस्था और विकास के अन्य पहलुओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। केंद्र सरकार मणिपुर की स्थिति को काबू में नहीं कर पा रही है। ऐसी स्थिति में न्याय व्यवस्था और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के संरक्षण में सुप्रीम कोर्ट को भी अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। सरकार को चाहिए वह जल्द से जल्द सभी पक्षों को एक साथ बैठाकर बातचीत का रास्ता निकाले। सभी राजनीतिक दलों और सभी सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाए। दोनों समुदायों के बीच संवाद स्थापित हो। मणिपुर के नागरिकों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए समाधान की दिशा में प्रयास किए जाएं। हिंसा फैलाने वाले तत्वों पर बिना किसी भेदभाव के कड़ी कार्रवाई की जाये। ताकि राज्य में शांति और कानून व्यवस्था का राज स्थापित हो। मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को आगे आना होगा। संवाद और सामूहिक प्रयासों से ही राज्य को हिंसा से मुक्त किया जा सकता है। सरकार और प्रशासन में आमूल-चूल परिवर्तन के बाद ही मणिपुर में शांति और सुरक्षा की स्थिति निर्मित हो सकती है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाकर केंद्र सरकार राज्यपाल के माध्यम से मणिपुर की जनता को भरोसा दिलाए। भरोसे के बिना मणिपुर में शांति स्थापित होना संभव ही नहीं है।

कब पीछा छोड़ेगा ये 370 का

कुछ चीजें जाने-अनजाने गले पड़ जातीं हैं तो पीछा नहीं छोड़तीं ,ठीक उसी तरह जिस तरह की कुछ भूत मरने-मारने के बावजूद सर से नहीं उतरते। उन्हें उतरने के लिए लम्बी प्रतीक्षा करना पड़ती है। अनचाही चीजों से पिंड छुड़ाने के लिए भी लम्बी मशक्क्त करना पड़ती है। इस समय भाजपा के सिर पर दस साल से कांग्रेस का भूत और गले में धारा 370 हड्डी की तरह फंसी हुई है।

तीसरी बार देश की सत्ता में आई भाजपा के साथ पहली बार मेरी सहानुभूति उमड़ रही है। आखिर भाजपा ने सत्ता में आने के लिए ,एक नया युग डमोदी युग . शुरू करने के लिए बहुत पापड बेले तब कहीं जाकर 34 साल बाद सत्ता में आयी थी। दुर्भाग्य ये है कि भाजपा लगातार पापड़ बेल रही है, लेकिन खुद खा नहीं पा रही। जिस धारा 370 को हटाने में भाजपा को एक लम्बी यात्रा करना पड़ी। वो ही धारा 370 अब फिर से जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों के आते ही एक बार फिर गले पड़ गयी है। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष कह रहा है कि यदि राज्य में भाजपा सत्ता में न आयी तो जम्मू-कश्मीर को धारा 370 फिर से लौटा दी जाएगी।

आपको याद होगा कि चार महीने पहले ही सम्पन्न आम चुनावों में भाजपा ने अपने लिए 370 और अपने गठबंधन के लिए 400 पार का लक्ष्य रखा था,किन्तु देश की जनता ने भाजपा को दोनों ही लक्ष्य पूरे नहीं करने दिए। भाजपा 240 पर ही अटक गयी। भाजपा ने जैसे-तैसे इस दर्द को ,इस आंकड़े को भुलाने की कोशिश की थी किन्तु जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव घोषित होते ही समूचे विपक्ष ने एक बार फिर धारा 370 की वापसी का राग अलापकर भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दीं है । मुश्किलें कम करने और मुश्किलें बढ़ाने में बड़ा अंतर है। भाजपा को लगा कि धारा 370 हटाने के बाद सीमा पर कर किसी खाई में गिरकर मर गयी होगी,लेकिन ऐसानहीं हुआ । वो तो जहाँ थी,वहीं आज भी है ,केवल उसे जम्मू-कश्मीर से हटा दिया गया था।

गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी से सवाल करते हुए पूछा कि यह दर्जा कौन वापस दे सकता है ? यह दर्जा तो सिर्फ भारत सरकार दे सकती है, प्रधानमंत्री दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं बाबा मन्हास के मंदिर की कसम खाकर कहता हूं कि हम आपको 370 वापस नहीं लाने देंगे। आपको दलित और गुज्जर बकरवाल भाइयों के रिजर्वेशन को समाप्त नहीं करने देंगे। अपने पुराने सियासी कश्मीरी दोस्तों को इंगित कर अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार ने जम्मू कश्मीर को लूटा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और फारूक अब्दुल्ला को मत जिताना नहीं तो जम्मू कश्मीर का विकास रुक जाएगा। जम्मू कश्मीर के लिए यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक ध्वज, एक संविधान के तहत पहला चुनाव हो रहा है।

कांग्रेस तो छोड़िये अब जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम रहे उमर अब्दुल्ला ने गृह मंत्री अमित शाह को सीधा चैलेंज देते हुए आर्टिकल 370 को वापस लाने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि हम चुनाव जीते तो अनुच्छेद 370 को दोबारा लागू करेंगे। इसके लिए वक्त लगेगा, लेकिन यह होकर रहेगा। 370 हटने के बाद जब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव पहली बार होने जा रहे हैं तब इसकी गूंज और जोर से सुनाई पड़ रही है।

हमें पता हैं कि धारा 370 को हटाना न आसान था और अब तो दोबारा लागू करना और भी मुश्किल है।इसीलिए मई मुश्किल शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूँ,असम्भव का नहीं। आपको याद होगा कि तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 5 अगस्त 2019 को सीओ 272 जारी किया था। राष्ट्रपति का यह वह आदेश था जिसके जरिए संविधान के अनुच्छेद 367 को संशोधित किया गया। इसमें कहा गया कि अनुच्छेद 370 (3) में उल्लेखित संविधान सभा की जगह इसे विधानसभा कहा जाएगा। इससे ही 370 हटाने का रास्ता साफ हुआ। लेकिन भाजपा ने धारा 370 को संविधान से विलोपित शायद नहीं किया है ,और अब शायद ऐसा करने का समय भी नहीं है और कूबत भी नहीं है। इसलिए इस धारा को लेकर जम्मू-कश्मीर का अवाम देश की मुख्यधारा में वापस आएगा या नहीं ,इसमें संदेह है।

हम धाराओं के साथ बहने वाले लोग नहीं है। हमें धारा के विपरीत अपना रास्ता तय करने की आदत है ,लेकिन हमें फ़िक्र भाजपा की है ,उसके तनाव की है और उसकी चुनौतियों की है ,क्योंकि पार्टी का नेतृत्व बूढ़ा हो चुका है। नेतृत्व को लेकर असंख्य विवाद भी हैं। देश--काल परिस्थितियों में भी तेजी से तब्दीली आ रही है। सबसे बड़ी बात ये कि भाजपा अपने आपको समय के हिसाब से ढाल नहीं पा रही । भाजपा आज भी हिन्दू-मुसलमान पर अड़ी है । भाजपा के संल्प पत्र में भी यही हुआ । घाटी के लिए भाजपा ने ऐसी एक भी योजना नहीं बनाई जो वहां के किसी मुस्लिम नेता के नाम पर हो। हम तो रामसेवक लोग है। मानते हैं कि-

-हुईए वही जो राम रची रखा।
को कहि तक बढ़ावहि साखा।।

(लेखक-राकेश अचल / ईएमएस)

क्षमा की धरती को उर्वरा बनाते हैं मैत्री के फूल

(विश्व मैत्री दिवस - 9 सितम्बर पर विशेष)

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का प्रेरक पर्व है। इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। संपूर्ण जैन समाज इस पर्व के अवसर पर जागृत एवं साधनारत हो जाता है। आठ दिनों की कठोर साधना के बाद मैत्री दिवस का आयोजन होता है। पर्युषण पर्व का हृदय है-'क्षमापना दिवस' जिसे मैत्री दिवस भी कहते हैं। इस दिन अपनी भूलों या गलतियों के लिए क्षमा मांगना एवं दूसरों की भूलों को भूलना, माफ करना, यही इस पर्व को मनाने की सार्थकता सिद्ध करता है। यदि कोई व्यक्ति इस दिन भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिछाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्रोतस्विनी बहाना है।

मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा-'अहो ते खंति उत्तमा'- क्षांति उत्तम धर्म है। 'तितिक्खं परमं नच्चा'-तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बनो। पयुर्षण महापर्व से जुड़ा मैत्री पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है, जो एकाग्रता एवं एकांत आध्यात्मिक जिज्ञासाएं जगाकर एक समृद्ध एवं अलौकिक अनुभव तक ले जाता है। इस भीड़भाड़ से कहीं दूर सबसे पहली जो चीज व्यक्ति इस पर्युषण की साधना से सीखता है वह है -'अनुशासनयुक्त मैत्रीमय जीवन।' यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिष्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने आपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना-बहुल जीवन की दिनचर्या में दब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं।

भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। ''क्षमा वीरो का भूषण है''-महान् व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। पर्युषण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का पर्व है। इस दिन सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। पर्युषण महापर्व का समापन मैत्री दिवस के साथ होता है। इस तरह से पर्युषण महापर्व एवं क्षमापना दिवस- यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है -'आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन''-श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा- ''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ'' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन, आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व इस पर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है।

पर्युषण पर्व आत्म उन्नति, अहिंसा, शांति और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, युद्ध, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद एवं भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए मैत्री पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक-निरोगी-शांतिमय जीवन शैली का प्रयोग है। आज भौतिकता एवं स्वार्थपूर्ण जीवन की चकाचौंध में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाये रखना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जैन समाज संवेदनशील बने विशेषतः युवा पीढ़ी मैत्री पर्व की मूल्यवत्ता से परिचित हो और वे आत्मचेतना को जगाने वाले इन दुर्लभ क्षणों से स्वयं लाभान्वित हो और जन-जन के सम्मुख मैत्री का एक आदर्श प्रस्तुत करे।

तथागत बुद्ध ने कहा-क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा धर्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है। क्योंकि प्रेम, करुणा और मैत्री के फूल सहिष्णुता और क्षमा की धरती पर ही खिलते हैं। 'सबके साथ मैत्री करो' यह कथन बहुत महत्त्वपूर्ण है किंतु हम वर्तमान संबंधों को बहुत सीमित बना लेते हैं। दर्द सबका एक जैसा होता है, पर हम चेहरों को देखकर अपना-अपना अन्दाज लगाते हैं। यह स्वार्थपरक व्याख्या हमें प्रेम से जोड़ सकती है मगर करुणा से नहीं। प्रेम में स्वार्थ है, राग-द्वेष के संस्कार है, जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है। कहा जाता है-'वसुधैव कुटुम्बकम्' वसुधा कुटुम्ब है, परिवार है। 'मित्ती में सव्व भूएसु वेरं मज्झ न केणई'- यह सार्वभौम अहिंसा एवं सौहार्द का ऐसा संकल्प है जहां वैर की परम्परा का अंत होता है।

मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए- विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है। मित्रता का यह पर्व आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर मित्रता की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। मित्रता की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। मित्रता को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी।

मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जमीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है मैत्री दिवस। क्षणिक और स्वार्थों पर टिकी मित्रता वास्तव में मित्रता नहीं, केवल एक पहचान मात्र होती है ऐसे मित्र कभी-कभी बड़े खतरनाक भी हो जाते हैं। जिनके लिए एक विचारक ने लिखा है- ''पहले हम कहते थे, हे प्रभु! हमें दुश्मनों से बचाना परन्तु अब कहना पड़ता है, हे परमात्मा, हमें दोस्तों से बचाना।'' दुश्मनों से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं दोस्त। विश्व मैत्री दिवस वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने एवं दुःख बटोरने की मनोवृत्ति को विकसित करने का दुर्लभ अवसर प्रदत्त करता है। इस दिवस को मनाने का मूल हार्द यही है कि मित्रता में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह। क्रांति निर्माण की दस्तक है, विद्रोह बरबादी का संकेत। (लेखक--ललित गर्ग/ ईएमएस)

जाति का प्रश्नः हिन्दू दक्षिणपंथियों का बदलता नैरेटिव

पिछले आम चुनाव (अप्रैल-मई 2024) में जाति जनगणना एक महत्वपूर्ण मुद्दा थी। इंडिया गठबंधन ने जाति जनगणना की आवश्यकता पर जोर दिया जबकि भाजपा ने इसकी खिलाफत की। जाति जनगणना के संबंध में विपक्षी पार्टियों की सोच एकदम साफ़ और स्पष्ट है।

जाति के मुद्दे ने हिन्दू दक्षिणपंथी राजनीति को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उच्च जातियां, निम्न जातियों का शोषण करती आईं हैं यह अहसास जोतीराव फुले और भीमराव आंबेडकर जैसे लोगों को था। इस मुद्दे से जनता का ध्यान हटाने के लिए उच्च जातियों के संगठनों ने भारत के अतीत का महिमामंडन करना शुरू कर दिया। हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा और मनुस्मृति के मूल्य इन ताकतों के एजेंडा के मूल में थे। पिछले कुछ दशकों से आरएसएस ने इस नैरेटिव को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है कि सभी जातियां बराबर हैं। संघ से जुड़े लेखकों ने विभिन्न जातियों पर कई किताबें लिखीं जिनमें यह कहा गया कि अतीत में सभी जातियों का दर्जा बराबर था।

आरएसएस नेताओं का यह दावा है कि अछूत जातियां विदेशी आक्रान्ताओं के अत्याचारों के कारण अस्तित्व में आईं और उसके पहले तक हिन्दू धर्म में उनका कोई स्थान नहीं था। संघ के कम से कम तीन नेताओं ने दलित, आदिवासी और कई अन्य समूहों के जन्म के लिए मध्यकाल में मुस्लिम आक्रमण को ज़िम्मेदार बताया है। संघ के एक शीर्ष नेता भैयाजी जोशी के अनुसार, हिन्दू धर्मग्रंथों में कहीं भी शूद्रों को अछूत नहीं बताया गया है। मध्यकाल में इस्लामिक अत्याचारों के कारण अछूत दलितों की एक नयी श्रेणी उभरी। जोशी के लिखा है: हिन्दुओं के स्वाभिमान को तोड़ने के लिए अरबी विदेशी हमलावरों, मुस्लिम राजाओं और गौमांस भक्षण करने वालों ने चंद्रवंशी क्षत्रियों को गायों को काटने, उनकी खाल उतारने और उनके कंकाल को किसी सूनी जगह फेंकने जैसे घिनौने काम करने पर मजबूर किया। इस तरह विदेशी हमलावरों ने चर्म-कर्म करने के लिए एक नयी जाति बनाई और यह काम स्वाभिमानी हिन्दू कैदियों को सज़ा के स्वरुप दिया जाता था।

इस सारे दुष्प्रचार का उद्देश्य है जाति को ऐसी सकारात्मक संस्था बताना, जो हिन्दू राष्ट्र की रक्षा करती आई है। जाति जनगणना की मांग के जोर पकड़ने की पृष्ठभूमि में आरएसएस के मुखपत्र पाञ्चजन्य ने 5 अगस्त (2024) के अपने अंक में हितेश सरकार का एक लेख प्रकाशित किया जिसका शीर्षक है ऐ नेताजी: कौन जात हो। लेख में यह दावा किया गया है कि विदेशी आक्रान्ता जाति की दीवारों को तोड़ नहीं सके और इसी कारण वे हिन्दुओं का धर्मपरिवर्तन नहीं करवा सके। जाति, हिन्दू समाज का एक मुख्य आधार है और उसी के कारण विदेशी हमलों के बाद भी देश सुरक्षित और मज़बूत बना रहा। इस लेख में बम्बई के पूर्व बिशप लुई जॉर्ज मिल्ने की पुस्तक मिशन टू हिन्दूस: ए कॉन्ट्रिब्यूशन टू द स्टडी ऑफ़ मिशनरी मेथडस से एक उद्धरण दिया गया है। उद्धरण यह है: ।।।तो फिर वह (जाति), सामाजिक ढांचे का आवश्यक हिस्सा है। मगर फिर भी, व्यावहारिक दृष्टिकोण से वह लाखों लोगों के लिए धर्म है।।।वह किसी व्यक्ति की प्रकृति और धर्म के बीच कड़ी का काम करती है।

लेखक के अनुसार, मिशनरीज़ को जो चीज़ उस समय खल रही थी वही आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को खल रही है क्योंकि कांग्रेस, ईस्ट इंडिया कंपनी और लार्ड ए।ओ। ह्यूम की उत्तराधिकारी है। इसमें यह भी कहा गया है कि चूँकि आक्रान्ता, जाति के किले को नहीं तोड़ सके इसलिए उन्होंने (मुसलमानों) ने इज़्ज़तदार जातियों को हाथ से मैला साफ़ करने के काम में लगाया और यह भी कि उस काल से पहले हाथ से मैला साफ़ करने की प्रथा का कहीं वर्णन नहीं मिलता। लेख में कहा गया है कि मिशनरी समाज के पिछड़ेपन के लिए जाति प्रथा को दोषी मानती हैं और कांग्रेस को भी जाति एक काँटा नज़र आती है।

यह लेख झूठ का पुलिंदा है। पहली बात तो यह कि दूसरी शताब्दी ईस्वी में लिखी गयी मनुस्मृति में जाति प्रथा की व्याख्या और उसकी जबरदस्त वकालत की गयी है। यह पुस्तक देश में विदेशी आक्रांताओं के आने के सैकड़ों साल पहले लिखी गयी थी। कई अन्य पवित्र हिन्दू ग्रंथों में भी कहा गया है कि निम्न जातियों के लोगों को उच्च जातियों से दूर रहना चाहिए। यही सोच अछूत प्रथा और हाथ से मैला साफ़ करने की प्रथा - दोनों की जननी है। पवित्रता और प्रदूषण से सम्बंधित सारे नियम और आचरण ओर पुनर्जन्म का सिद्धांत भी इसी सोच पर आधारित है। नारद संहिता और वाजसनेयी संहिता भी यही कहती हैं। नारद संहिता में अछूतों के लिए जो कर्तव्य निर्धारित किये गए हैं, मानव मल साफ़ करना उनमें से एक है। वाजसनेयी संहिता कहती है कि चांडाल गुलाम हैं जो मनुष्यों का मैला साफ़ करते हैं।

डॉ आंबेडकर का मानना था कि जाति प्रथा को ब्राह्मणवाद ने समाज पर लादा है। आरएसएस के मुखपत्र में प्रकाशित लेख जहाँ जाति प्रथा की तारीफों के पुल बांधता है वहीं क्रन्तिकारी दलित चिन्तक और कार्यकर्ता उसे हिन्दू समाज की सबसे बड़ी बुराईयों में से एक मानते हैं। इसी कारण डॉ आंबेडकर ने जाति के विनाश की बात कही थी।

हिन्दू राष्ट्रवादी, आनुपातिक प्रतिनिधित्व और जाति जनगणना के पूरी तरह खिलाफ हैं। आनुपातिक प्रतिनिधित्व की शुरुआत गाँधीजी और डॉ आंबेडकर के बीच हस्ताक्षरित पूना पैक्ट से हुई थी और बाद में इसे संविधान का हिस्सा बनाया गया। इसके विरोध में अहमदाबाद में 1980 और फिर 1985 में दंगे हुए। सन 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने के बाद, राममंदिर आन्दोलन अचानक अत्यंत आक्रामक हो गया।

जहाँ तक कांग्रेस के ईस्ट इंडिया कंपनी और ह्यूम की विरासत की उत्तराधिकारी होने के आरोप का सवाल है, यह सफ़ेद झूठ है। इस तरह के झूठ केवल वे ही लोग फैला सकते हैं जो स्वाधीनता आन्दोलन से दूर रहे और आज भी भारत को एक बहुवादी और विविधताओं का सम्मान करने वाले देश के रूप में नहीं देखता चाहते। तिलक से लेकर गाँधी तक के नेतृत्व में कांग्रेस ब्रिटिश शासन के खिलाफ थी। ह्यूम इसी कांग्रेस का हिस्सा थे। ऐसा आरोप लगाया जाता है कि ह्यूम ने कांग्रेस की परिकल्पना एक सेफ्टी वाल्व के रूप में की थी। मगर गहराई से अध्ययन करने पर कांग्रेस के गठन की प्रक्रिया और उद्देश्य साफ़ हो जाते हैं। देश में उभरते हुए राष्ट्रवादी संगठनों जैसे मद्रास महाजन सभा (संस्थापक पनापक्कम आनंदचेरलू), बॉम्बे एसोसिएशन (संस्थापक जगन्नाथ शंकर शेठ) और पूना सार्वजनिक सभा (संस्थापक एम।जी। रानाडे) को स्वतंत्रता की अपनी मांग को उठाने के लिए एक राजनैतिक मंच की ज़रुरत थी। उन्होंने कांग्रेस के आव्हान को स्वीकार किया और उसे एक ऐसा राष्ट्रीय मंच बनाया जो नए उभरते भारत की आकाँक्षाओं को उठा सके। इसकी शुरूआती मांगो में शामिल था आईसीएस की परीक्षा के लिए भारत में केंद्र बनाना। कांग्रेस ने ज़मींदारों पर नियंत्रण लगाने की मांग भी उठाई ताकि उनकी अधीनता में काम कर रहे श्रमिक आजाद हो सकें और यह भी कहा कि देश के औद्योगीकरण के लिए अधिक सुविधाएँ मुहैय्या करवाई जानी चाहिए।

आगे चलकर इसी कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज्य और अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारे भी बुलंद किये। जिस कांग्रेस पर पाञ्चजन्य निशाना साध रहा है, उसी ने राष्ट्रीय आन्दोलन का नेतृत्व किया और साथ ही सामाजिक न्याय, जिसके आंबेडकर पुरजोर समर्थक थे, के मुद्दे को भी उठाया।

आंबेडकर, जो भारतीय संविधान के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते थे और आरएसएस, जो हिन्दू राष्ट्रवाद की वकालत करती थी, के बीच के अंतर को भुलाया नहीं जा सकता। आंबेडकर ने मनुस्मृति का दहन किया था जबकि आरएसएस इस पवित्र पुस्तक में प्रतिपादित जातिगत असमानता के मूल्यों का समर्थक है। आंबेडकर ने भारत के संविधान का मसविदा तैयार किया था और आरएसएस ने इसी संविधान का खुलकर विरोध किया था। और आज भी परोक्ष रूप से कर रहा है। (लेखक-राम पुनियानी/ ईएमएस) (अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

शब्द पहेली - 8123

बाएँ से दाएँ

1.ईश वंदना-3
3.हाथ की तीसरी अंगुली-4
5.आगमन-2
6.स्वादिष्ट-3
7.हरसिंगार,पारिजात-2
8.क्रिकेट में बनते हैं-2
10.खौलना,उबलना-5
12.धनवान-3
15.खोदना-3
17.चुनाव,चयन-5
20.नसीब(अंग्रेजी-2)
22.कलर-2
23.रक्षक,संकटमोचक-3
24.कार्य,काज-2
25.सुंघनी,नस-4
26.पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1.रुपए का सोलहवां भाग-2
2.कुलबुलाना,तड़पना-5
3.जो कभी बूढ़ा न हो-3
4.बंदूक की गोली-4
5.अभिलेख,लेख-3
7.रात,रात्रि (उर्दू-2)
9.मादा का विलोम-2
11.धुन,लगाव-3
13.चरित्र,नीयत-3
14.तफरीह-5
15.अनाज रखने की जगह-4
16.टोंटी,नलका-2
18.बहुमूल्य रत्न-2
19.अनाथ,बेसहारा-3
21.डोली उठाने वाले-3
24.सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8122 का हल

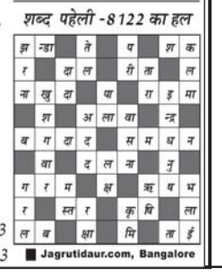

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

बाबर आजम के नाम है टेस्ट में ये रिकार्ड

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम वैसे तो आजकल एक खराब दौर से गुजर रहे हैं पर उनके नाम एक ऐसा रिकार्ड है जिसके करीब भी कोई क्रिकेटर नहीं पहुंच पाया है। आज ने ये रिकार्ड सा 2022 में टेस्ट क्रिकेट में बनाया था। उनके नाम इस प्रारुप में लगातार सबसे ज्यादा अर्धशतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने मार्च 2022 से जून 2022 के बीच कुल 9 लगातार पारियों में 50 से ज्यादा रन बनाये थे।

इसमें तीन शतकीय पारी भी शामिल रही हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ एक टेस्ट शतक बनाया था। वहीं लगातार टेस्ट में सबसे ज्यादा 50 रन की पारी खेलने के मामले में पाकिस्तान के ही जावेद मियांदाद दूसरे नंबर पर हैं। मियांदाद ने कुल 8 मैच में 50 या इससे ज्यादा रन बनाये थे। वहीं हैरानी की बात ये है कि टेस्ट क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा मैच में 50 या इससे उपर का स्कोर करने वालों की सूची में भारत के सचिन तेंदुलकर शामिल है और ना ही विराट कोहली इस सूची में शामिल हैं। भारत की तरफ से केवल पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के नाम ही 7 पारियों में अर्धशतक हैं। उनके नाम इस प्रारुप में लगातार सबसे ज्यादा अर्धशतक का रिकॉर्ड है।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टी20 में भी स्कॉटलैंड को हराकर 3-0 से सीरीज जीती, ग्रीन ने लगाया अर्धशतक

एडिनब

मुद्रस्फीति आंकड़े और वैश्विक रुख तय करेंगे बाजार की चाल

- ब्रेंट क्रूड की गतिविधियों और रुपये-डॉलर के रुख पर भी होगी बाजार की नजर

मुंबई (ईएमएस)। वै?श्विक बाजार की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई मुनाफावसूली से बीते सप्ताह करीब डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह मुद्रास्फीति जैसे वृहत आर्थिक आंकड़ें, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होंगी। बाजार के ?विश्लेषकों ने कहा ?कि कच्चे तेल की कीमतों में पिछले कुछ दिनों में सुधार देखा गया है और ब्रेंट क्रूड अब 73 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के करीब है। भारत में निवेशक इस सप्ताह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सहित अन्य वृहत आर्थिक आंकड़े जारी होने का इंतजार करेंगे। वैश्विक स्तर पर, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती को लेकर आशावादी बने हुए हैं। उनकी नजर इस महीने होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर होगी। वृहत आर्थिक आंकड़ों के तहत जुलाई के लिए औद्योगिक उत्पादन और अगस्त के लिए मुद्रास्फीति आंकड़ों की घोषणा गुरुवार को की जाएगी। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 1,181.84 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी में 383.75 अंक की गिरावट आई। स्थानीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,017.23 अंक टूटकर 81,183.93 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 292.95 अंक टूटकर 24,852.15 पर रहा। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि हमारा अनुमान है कि निकट भविष्य में बाजार में कारोबार सीमित दायरे में रहेगा। निवेशकों की नजर वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की गतिविधियों और रुपये-डॉलर के रुख पर भी होगी। आने वाले सप्ताह में अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर होगी।

भारत सहित विश्व के केंद्रीय बैंकों ने बढ़ाई सोने की खरीदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)।वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई महीने में ही केंद्रीय बैंकों ने 37 टन सोना खरीदा। पोलैंड, तुर्की, उज़्बेकिस्तान और चेक रिपब्लिक जैसे देशों ने इस खरीदारी में प्रमुख भूमिका निभाई है जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक ने अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 18.67 टन सोना खरीदा। पोलैंड का सेंट्रल बैंक 18.68 टन सोना खरीद कर पहले स्थान पर रहा, जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक ने इस दौरान 18.67 टन सोना खरीदा. तुर्की ने 14.63 टन, उज़्बेकिस्तान ने 7.46 टन और चेक रिपब्लिक ने 5.91 टन सोना खरीदा। इस साल की दूसरी तिमाही में केंद्रीय बैंकों ने कुल 183 टन सोना खरीदा, जो कि 2023 की इसी अवधि के 173.6 टन से अधिक है। कुछ देश ऐसे भी हैं जिन्होंने अपने सोने के भंडार को कम किया है। कज़ाख़स्तान ने 11.83 टन, सिंगापुर ने 7.7 टन और जर्मनी ने 780 किलोग्राम सोना बेचा है। इसके बावजूद साल 2023 में केंद्रीय बैंकों द्वारा 1,037 टन सोना खरीदा गया, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 1,082 टन था। सोना लंबे समय से देशों के एसेट रिज़र्व का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है और यह वर्तमान में भी जारी है. केंद्रीय बैंकों के लिए सोना एक स्थिर एसेट की तरह कार्य करता है, जो वित्तीय संकट के दौरान अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने के साथ-साथ रिज़र्व को विविधता भी देता है। बाजार के जानकार कहते हैं ?कि डॉलर की गिरावट और अमेरिकी ब्याज दरों में संभावित कटौती की वजह से केंद्रीय बैंक सोने की खरीदारी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया ?कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था कर्ज़ में चल रही है और डॉलर कमजोर हो सकता है। इसलिए केंद्रीय बैंक अपने पोर्टफ़ोलियो को विविधता देने के लिए सोने की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं इस साल सोने की कीमतों में नए रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है।

पिछले सप्ताह पांच पेन्नी स्टॉक्स ने 55 फीसदी तक रिटर्न दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह उतार चढ़ाव वाला रहा है। शुक्रवार को सेंसेक्स 900 से ज्यादा अंकों की गिरावट के बाद बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। पूरे हफ्ते सेंसेक्स लगभग 1.43 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि इस गिरावट भरे बाजार में कुछ ऐसे पेनी स्टॉक हैं, जिन्होंने कमाल किया है। 9 पेनी स्टॉक्स ने अपने निवेशकों को 10 प्रतिशत से लेकर 55 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जिसका करेंट शेयर प्राइस 20 रुपये से कम है और इनका मार्केट कैप 1000 करोड़ रुपये से कम है। डायमंड ज्यूलरी बनाने वाली एक कंपनी ने पिछले हफ्ते बेहद ही शानदार प्रदर्शन किया है, इसके शेयर प्राइस में 53 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है और यह शुक्रवार यह 10.24 रुपये के भाव पर बंद हुआ। यह कंपनी नोज़ पिन, स्टड, सॉलिटेयर, घड़ियां, बेल्ट, कफ़लिंक, और शर्ट के बटन बनाती है।

बीमा कंपनी को 15 दिनों में जारी करनी होगी पॉलिसी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंश्योरेंस रैगुलेटर ईआरडीएआई ने बीमा पॉलिसी होल्डर्स के अधिकारों को लेकर एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में ई-इंश्योरेंस पॉलिसियों, हैल्थ लाइफ इंश्योरैंस पॉलिसियों दोनों के क्लेम सेटलमैंट की समयसीमा और कई हैल्थ बीमा पॉलिसियों वाले पॉलिसी होल्डर्स के अधिकारों को शामिल किया गया है। बीमा कंपनी को प्रपोजल फॉर्म स्वीकार करने के 15 दिनों के भीतर पॉलिसी जारी करनी होगी। नए नियमों के तहत इंश्योरैंस कंपनी को प्रपोजल फॉर्म के साथ इनीशिजल प्रीमियम जमा करने की अनुमति नहीं है। 30 दिन का फ्री लुक पीरियड एक साल या उससे अधिक की लाइफ इंश्योरैंस पॉलिसी के लिए, पॉलिसीहोल्डर के पास 30 दिनों की फ्री लुक पीरियड अवधि होगी। यदि पॉलिसीहोल्डर पॉलिसी की शर्तों या नियमों से असंतुष्ट है, तो उसके पास इन 30 दिनों के भीतर पॉलिसी को रद्द करने के लिए कंपनी को वापस करने का विकल्प है। कस्टमर इंफॉर्मेशन शीट एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसे कंपनी अनिवार्य रूप से अपने ग्राहकों को उनकी बीमा पॉलिसियों के साथ प्रदान करते हैं। यह पॉलिसी की मुख्य विशेषताओं और लाभों के सारांश केरूप में काम करता है। यह सुनिश्चि त करता है कि पॉलिसीधारकों को उनके कवरेज के बारे में अच्छी जानकारी है।

शेयर बाजार का यह पेनी स्टॉक्स निवेशों को कर रहा मालामाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयर बाजार में कई निवेशक पेनी स्टॉक्स की तलाश में रहते हैं, जिसपर बेहतर रिटर्न मिले। ऐसा ही एक स्टॉक है नॉन बैंकिंग वित्तीय कंपनी सनशाइन कैपिटल का है। इस पेनी शेयर में शुक्रवार को 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया। स्मॉल मार्केटकैप वाले इस स्टॉक के पिछले 6 कारोबारी दिन की ट्रेडिंग देखने पर 4 दिन अपर सर्किट लग गया।

एक सप्ताह के दौरान शेयर में 24 फीसदी से ज्यादा का उछाल देखा गया है। शेयर ने बीते एक साल में अपने निवेशकों को 400 फीसदी से ज्यादा का मुनाफा कमा कर दिया है। इस स्टॉक ने बीते एक माह में करीब 20 फीसदी की ग्रोथ देखी है, कंपनी ने आधिकारिक तौर पर इंश्योरेंस ब्रोकिंग सेक्टर में अपने बिजनेस का विस्तार करने का फैसला किया है।

बता दें कि साल 1994 में स्थापित सनशाइन कैपिटल एक प्रमुख एनबीएफसी बन गया है। कंपनी एक्ट,1956 के तहत 11 जुलाई 1994 को शामिल, कंपनी एक गैर-जमा लेने वाली एनबीएफसी है। आरबीआई से रजिस्टर्ड और रेगुलेटेड है।

अमेरिका के सामने बैकफुट पर आई चीन सरकार

- अमेरिका से ट्रेड वॉर कर बुरा फंसा चाइना, बाजार पिटे तो समझौते के लिए गिड़गिड़ाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले काफी सालों से चीन और अमेरिका के बीच ट्रेड वॉर को सभी ने देखा है। अमेरिका ने अपने कारोबार दर सुरक्षित रखने के लिए पहले चीन पर एक के बाद एक प्रतिबंध लगाए जवाब में ड्रैगन की तरफ से भी यूएस के बाजारों को बंद करने की कार्रवाई की गई। खुद को दुनिया की फैक्ट्री कहलाने वाले चीन के बाजार को इन प्रतिबंधों के चलते नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में अब शी जिनपिंग की सरकार अमेरिका के सामने इस समय बैकफुट पर ?दिखाई दे रही है।

जिनपिंग के मंत्री अमेरिकी समकक्ष से मुलाकात के समय यह तक कह गए कि आपको हमारे बड़े बाजारों से डरने की जरूरत नहीं है। ये आपके लिए एक मौके की तरह हैं। खबर के अनुसार चीन के कॉमर्स मंत्रालय के उप मंत्री वांग शॉवेन ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अमेरिकी समकक्ष मारिसा लागो से चीन के तियानजिन शहर में मुलाकात की। यह बातचीन इस साल दोनों अधिकारियों के बीच दूसरी वार्ता है। चीनी नेता ने इस दौरान कहा हम आपके लिए एक अवसर है, खतरा नहीं।

इससे पहले चीन के वा?णिज्य मंत्रालय ने कहा था कि अमेरिका को चीनी सामान पर सभी टैरिफ हटा लेने चाहिए जो बाइडेन के प्रशासन ने चीन मे बने इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया था। चीनी मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों द्वारा उठाए गए नीति और व्यावसायिक मुद्दों पर पेशेवर, तर्कसंगत और व्यावहारिक बातचीत हुई। इसमें कहा गया कि चीन ने उनके देश के सामान पर अमेरिकी टैक्स सहित अन्य मुद्दों पर चिंता व्यक्त की। साथ ही कहा कि चीन अत्यधिक क्षमता के बहाने व्यापार और निवेश प्रतिबंधों का विरोध करता है।

आईआईटी बॉम्बे को अनुसंधान एवं विकास के लिए मिला 700 करोड़ का फंड

- 2022-23 में संस्थान को 576 करोड़ और 2021-22 में 502 करोड़ रुपये मिले थे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे ने 2023-24 में अनुसंधान और विकास के लिए वार्षिक अनुदान के रूप में रिकॉर्ड 700 करोड़ रुपये प्राप्त ?किए हैं। पिछले तीन वर्षों की तुलना में यह सबसे ज्यादा है। 2022-23 में संस्थान को 576 करोड़ रुपये और 2021-22 में 502 करोड़ रुपये मिले थे। आरएंडडी फंड सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों से प्राप्त राशि का संयोजन है। निजी एजेंसियों से प्राप्त धन अनुदान राशि का 35 प्रतिशत होता है, जबकि शेष सरकारी एजेंसियों द्वारा दिया जाता है। संस्थान ने कहा ?कि आईआईटी बॉम्बे ने अपने अनुसंधान एवं विकास को तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ जोड़ने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। संस्थान ने विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों के शोधकर्ताओं को शामिल करते हुए जटिल समस्याओं को समग्र तरीके से हल करने के लिए कई बड़े बहु-विषयक अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं। इसमें कहा गया कि छात्र और संकाय सदस्य विज्ञान, इंजीनियरिंग, डिजाइन, प्रबंधन और मानविकी के सभी क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाएं संचालित करते हैं। संस्थान ने बताया ?कि विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, डिजाइन और सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में हर साल नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की जाती हैं, जिनमें अल्पकालिक परामर्श और दीर्घकालिक प्रायोजित अनुसंधान दोनों शामिल हैं। परियोजनाओं की अवधि आम तौर पर 2-5 साल तक होती है। आईआईटी बॉम्बे इस अनुदान का उपयोग तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा महाराष्ट्र ड्रोन मिशन जैसी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए करेगा। स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने और ड्रोन प्रौद्योगिकी में महाराष्ट्र को वर्ल्ड लीडर के रूप में स्थापित करने के लिए विभाग ने 151.8 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक परियोजना को वित्त पोषित किया। संस्थान वस्त्र मंत्रालय के लिए एक परियोजना वस्त्र-आधारित कंपोजिट का उपयोग करके हाइड्रोजन प्रेशर वेसल निर्माण का विकास करने के लिए भी काम कर रही है। आईआईटी-बॉम्बे ने विश्व स्तरीय संस्थानों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में यह दुनिया के शीर्ष 150 विश्वविद्यालयों में शामिल है। हाल ही में जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क रैंकिंग में भी आईआईटी-बॉम्बे शीर्ष तीन में शामिल है। संस्थान ने कहा ?कि विभिन्न सरकारी क्षेत्रों, उद्योग और समाज के लिए व्यवहार्य समाधान प्रस्तुत

डोनाल्ड ट्रंप ने वकीलों, राजनीतिज्ञों समेत कई लोगों को दी धमकी!

- बोले-चुनाव जीतते ही धोखाधड़ी और बेईमान लोगों पर चलेगा मुकदमा

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में सियासी खींचतान बढ़ती जा रही है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद उम्मीदवार ने सीधे-सीधे लोगों को धमकी दे दी है। ट्रंप ने वकीलों, राजनीतिकों और कार्यकर्ताओं समेत लोगों को धमकी दी है कि अगर वह नवंबर में होने वाले चुनाव जीतते हैं और मतदान के संबंधमेंलोगों को धोखाधड़ी या बेईमान व्यवहार में लिप्त पाया जाता है, तो उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा।

ट्रंप ने एक्स पर एक बयान पोस्ट कर कहा कि कुछ राज्यों में आने वाले हफ्तों में मतदान शुरू होने वाला है। उन्होंने धमकी दी कि अगर जनवरी में वे दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति बने तो वे सरकार की शक्ति का इस्तेमाल ऐसे लोगों के खिलाफ करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा कि मैं, वकीलों और कानूनी विद्वानों के साथ 2024 के राष्ट्रपति चुनाव की पवित्रता को बहुत करीब से देख रहा हूं क्योंकि मैं, सबसे बेहतर, 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट्स द्वारा की गई बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी को जानता हूं। ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा कि यह हमारे राष्ट्र के लिए एक अपमान था इसलिए, 2024 का चुनाव जिसके लिए अभी वोट डाले जाने हैं, पेशेवर जांच के तहत होगा और जब मैं जीतूंगा, तो उन लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा जिसमें लंबी अवधि की जेल की सज़ा भी शामिल होगी ताकि यह भ्रष्टाचार फिर से न हो।

ट्रंप ने पोस्ट में आगे लिखा हम अपने देश को तीसरी दुनिया के राष्ट्र में तब्दील नहीं होने दे सकते और हम ऐसा नहीं करेंगे। सावधान रहें कि यह कानूनी जोखिम वकीलों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, दानदाताओं, अवैध मतदाताओं और भ्रष्ट चुनाव अधिकारियों तक फैला हुआ है। बेईमानी में शामिल लोगों की तलाश की जाएगी,उन्हें पकड़ाकर उन पर मुकदमा चलायाजाएगा, जो दुर्भाग्य से हमारे देश में पहले कभीनहीं हुआ होगा। ट्रंप ने बार-बार उन लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने का आह्वान किया है,जिनके बारे में उनका मानना है कि उन्होंने उनके साथ गलत किया है। 2023 में पहली बार संघीय सरकार द्वारा अभियोग लगाए जाने के बाद, ट्रंप ने एक विशेष अभियोजक रखने की कसम खाई थी, जो 2024 में राष्ट्रपति पद जीतने पर राष्ट्रपति बाइडन और उनके परिवार के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

एक्स को ब्लॉक करने के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

रियो डी जनेरियो,(ईएमएस)। ब्राजीलके सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' को प्रतिबंधित करने वाले फैसले के खिलाफ हजारों लोगों ने रियो डी जनेरियो की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म बैन करने को लेकर इस तरह सड़कों पर प्रदर्शन का यह पहला मामला है।

जानकारी अनुसार सुप्रीम फेडरल कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोराइस ने एलोन मस्क द्वारा 'एक्स' के लिए नया कानूनी प्रतिनिधि नियुक्त न करने के कारण इसे ब्लॉक करने का आदेश दिया था। इसके अलावा, न्यायाधीश ने मस्क की कंपनी स्टारलिंक के खातों को भी फ्रीज कर दिया था, हालांकि मस्क ने इस फैसले को गैरकानूनी बताया, क्योंकि 'एक्स' और 'स्टारलिंक' अलग-अलग कंपनियां हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 'एक्स' के निलंबन का समर्थन किया है। इसके बाद ही सैकड़ों लोग संबंधित जज के इस्तीफे की मांग करते हुए कोपाकबाना बीच पर एकत्रित हुए और जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन ने न्यायालय के फैसले के खिलाफ लोगों में उपजे व्यापक असंतोष को उजागर कर दिया है।

एक अक्टूबर को चुना जाएगा जापान का नया पीएम

- जापान में बूढ़ी होती आबादी का असर शाही परिवार पर भी

टोक्यो,(ईएमएस)। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के उत्तराधिकारी का चयन एक अक्टूबर को होने वाले संसद सत्र में किया जाएगा। सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) 27 सितंबर को अपना अध्यक्ष चुनेगी। संसद के दोनों सदनों पर एलडीपी और उसके गठबंधन सहयोगी कोमिटो का नियंत्रण है, इसलिए प्रधानमंत्री के चयन को सिर्फ औपचारिकता माना जा रहा है।

सितंबर के अंत में किशिदा की कैबिनेट द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक यदि अगले प्रधानमंत्री निर्वाचित होने के बाद प्रतिनिधि सभा को भंग करने का फैसला लेते हैं, तो आकस्मिक चुनाव की तारीख 27 अक्टूबर होगी और यदि नया नेता समय की मांग करता है, तो दूसरी संभावित तारीख 10 नवंबर है। फुमियो किशिदा इस महीने के आखिर में अपने तीन साल पूरे कर पद छोड़ रहे हैं, क्योंकि एक फंड घोटाले ने सत्तारूढ़ पार्टी को लेकर मतदाताओं के विश्वास को चोट पहुंचाई है।

जापान में बूढ़ी होती आबादी और घटती जनसंख्या का असर शाही परिवार पर भी पड़ा है। जापान में प्रिंस हिसाहितो शुक्रवार को 18 साल के हो गए। शाही परिवार में 40 साल बाद ऐसा समय आया है जब कोई बालिग हुआ है। यह परिवार के लिए खास दिन था। हिसाहितो जापानी सम्राट नारुहितो के भतीजे हैं। उनके पिता क्राउन उप्रस अकीशिनो 1985 में वयस्कता हासिल करने वाले आखिरी इंसान थे। हिसाहितो 17 सदस्यीय पूर्ण वयस्क शाही परिवार में सबसे छोटे हैं, जिसमें वर्तमान में केवल चार पुरुष ही हैं। आखिरी उत्तराधिकारी के रूप में उनकी स्थिति उस व्यवस्था के लिए बड़ी समस्या है, जो साम्राज्ञियों को अनुमति नहीं देती है।1947का इंपीरियल हाउस कानून केवल एक पुरुष को सिंहासन पर बैठने की अनुमति देता है। नारुहितो सम्राट हैं।

आतंकी गुरपतवंत पन्नू के घर में आग लगते लगते बची, साजिश की हो रही जांच

ओटावा(ईएमएस)। कनाडा में बैठकर भारत को धमकाने वाला आतंकी गुरपतवंत पन्नू का घर जलते जलते बच गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि कोई साजिश तो नहीं है। आशंका इसलिए है कि पन्नू के घर के पास आग लगी, जिसमें 5 लाख डॉलर का नुकसान हुआ है। बहरहाल सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू के घर के बगल में मौजूद जिस घर में आग लगी थी, उसमें रहने वालों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत ने आतंकवादी घोषित कर रखा है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक आग लगने के बाद फैले धुएं के कारण घर के पास मौजूद और बीमार हो गए दो लोगों को मेडिकल मदद दी गई। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले पन्नू ने अमेरिका में हिंदू समूहों के खिलाफ धमकियां जारी की थीं।

22 सितंबर को नासाउ कोलेजियम में होने वाले कार्यक्रम को निशाना बनाया गया था। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होने वाले थे। अपने दो मिनट के वीडियो में पन्नू ने ऐलान किया कि 'नरेंद्र मोदी ही निशाना हैं।' टोरंटो के ओकविले में रहने वाला कनाडाई वकील पन्नू मुख्य रूप से अमेरिका में प्रैक्टिस करता है। बताया गया कि आग लगने की घटना के बाद उसका घर सुरक्षित है। आग लगने के कारणों की जांच कर रहे स्थानीय अधिकारी सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं। जिसमें यह संभावना भी शामिल है कि कहीं गलत घर को निशाना तो नहीं बनाया गया था। पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा की उम्मीद को देखते हुए, पन्नू ने अमेरिकी सरकार से पीएम मोदी की मेजबानी और सम्मान में हिस्सा लेने वाले हर संगठन और शख्स की जांच करने और मुकदमा चलाने की अपील की थी।

अमेरिका की 22 मंजिला आइकॉनिक बिल्डिंग को बमों से उडाया

बैटन रूज,(ईएमएस)। अमेरिका के लुइसियाना के लेक चार्ल्स में एक 22 मंजिला हट्र्ज टॉवर को वहां की सरकार ने बम से जमीदोज कर दिया। कभी यह शहर की आइकॉनिक बिल्डिंग थी लेकिन अब बम धमाकों और धूल के गुबार में गुम हो गई। यह इमारत पिछले चार साल से खाली थी। दरअसल, 2020 में तूफान लॉरा और डेल्टा की वजह से इमारत को भारी क्षति पहुंची थी। इसके बाद से यह खाली थी।

इस इमारत को पहले कैपिटल वन टावर के नाम से जाना जाता था। चार दशक तक यह इमारत शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाती रही लेकिन विनाशकारी तूफान के बाद से सबकुछ बदल गया। लेक चार्ल्स के मेयर निक हंटर की मौजूदगी में बम लगा 22 मंजिला इमारत को 15 सेकेंड में पांच मंजिला मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक सालों तक इमारत के मालिक और लॉस एंजिल्स स्थित रियल एस्टेट फर्म हट्र्ज इन्वेस्टमेंट ग्रुप ने अपने बीमा प्रदाता ज्यूरिख के साथ कानूनी लड़ाई लड़ी।

इमारत के मालिक ने मरम्मत के खातिर अनुमानित लागत 167 मिलियन डॉलर की मांग रखी। हालांकि बाद में दोनों के बीच समझौता होने के बाद इमारत को प्रशासन ने गिरा दिया।

बता दें कि 2020 लॉरा तूफान की वजह से लेक चार्ल्स इलाके में 25 से ज्यादा लोगों की जान गई थी।

रूस-यूक्रेन जंग रुकवाने के लिए, भारत की तरफ उम्मीद भरी नजर से देख रही दुनिया

रोम(ईएमएस)। दुनिया के नक्शे में भारत की ताकत और हैसियत स्पष्ट दिखाई देती है। आज रूस और यूक्रेन की जंग को लेकर पूरा विश्व भारत की तरफ टक टकी लगाए बैठा है, और मानकर चल रहा है कि भारत ही एक ऐसा देश है तो यहां शांति स्थापित करवा सकता है। इसके संकेत रूस के राष्ट्रपति पुतिन पहले ही दे चुके हैं। यह पीएम मोदी की विदेश नीति का ही कमाल है कि अमेरिका सहित दुनिया के शीर्ष देश यह मानते हैं कि इस संघर्ष को खत्म करने में भारत का अहम रोल हो सकता है। इसी कड़ी में अब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का भी बयान आया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि भारत और चीन जैसे देश यूक्रेन में संघर्ष को सुलझाने में भूमिका निभा सकते हैं। मेलोनी की यह टिप्पणी शनिवार को उत्तरी इटली के सेर्नोबियो शहर में एम्ब्रोसेटी फोरम में की गई, जहां उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ भी बैठक की। मेलोनी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को भारत का नाम उन तीन देशों में शामिल किया, जिनके साथ वह यूक्रेन संघर्ष को लेकर संपर्क में हैं और कहा है कि वे इस मुद्दे को सुलझाने के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं।

मेलोनी ने कहा, यह स्पष्ट है कि यदि अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों को तोड़ा जाता है, तो इससे अराजकता और संकट को बढ़ावा मिलेगा। यही बात मैंने चीन के प्रधानमंत्री से भी कही। मुझे लगता है कि चीन और भारत जैसे राष्ट्र यूक्रेन में संघर्ष को हल करने में भूमिका निभा सकते हैं और उन्हें भूमिका निभानी चाहिए। गुरुवार को व्लादिवोस्तोक में 9वें पूर्वी आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इस मुद्दे को सुलझाने में भारत की भूमिका का उल्लेख किया था। पुतिन ने कहा था, हम अपने मित्रों और भागीदारों का सम्मान करते हैं, जो मुझे लगता है कि संघर्ष (यूक्रेन के साथ) से जुड़े सभी मुद्दों के समाधान करने में ईमानदारी से रुचि रखते हैं। मैं चीन, ब्राजील, भारत के नेताओं के संपर्क में हूं और मुझे इन देशों के नेताओं पर भरोसा है। वे समस्या के समाधान में भूमिका निभा सकते हैं। मेलोनी की टिप्पणी शनिवार को एम्ब्रोसेटी फोरम के दौरान जेलेंस्की के साथ उनकी बैठक के बाद आई। वहां दोनों नेताओं ने ताजा घटनाक्रम पर चर्चा की।

एक अलग बयान में, रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि भारत, यूक्रेन के साथ बातचीत को सुविधाजनक बनाने में भूमिका निभा सकता है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पुतिन, जेलेंस्की और अमेरिका के साथ स्वतंत्र रूप से संवाद करते हैं। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने जुलाई में रूस और फिर अगस्त में यूक्रेन की यात्रा की थी, जहां उन्होंने ना सिर्फ पुतिन से युद्ध को खत्म करने की अपील की, बल्कि जेलेंस्की से भी यहा कि दोनों देश बिना समय गंवाए बात शुरू करें। जुलाई महीने में मॉस्को की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने के लिए समाधान खोजने के लिए रूसी राष्ट्रपति के साथ व्यापक चर्चा की थी। दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मैत्री और अच्छे संबंधों का उल्लेख करते हुए पुतिन ने यूक्रेन में चल रहे संकट को समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की पहल की भी सराहना की थी। अगले महीने अगस्त में जेलेंस्की के साथ अपनी बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत और कूटनीति के जरिए चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की सैद्धांतिक स्थिति और प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की थी। उन्होंने क्षेत्र में शांति की शीघ्र वापसी के लिए सभी संभव तरीकों'' से योगदान देने की भारत की तत्परता को भी दोहराया था। इसके बाद बीते 26 अगस्त को पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से टेलिफोन पर बात की थी, जहां उन्होंने बाइडेन को यूक्रेन के अपने हालिया दौरे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा था कि शांति और स्थिरता लाने को भारत का पूरा समर्थन है। इसके अगले ही दिन 27 अगस्त को पीएम मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात हुई, जहां यूक्रेन की विनाशकारी नीति का आकलन किया गया। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत की हैसियत अब उस मुकाम पर पहुंच गई है, जहां किसी भी अहम मुद्दे पर दुनिया की नजरें सबसे बड़े लोकतंत्र पर जाकर टिक जाती हैं। यही वजह है कि 30 महीने से भी अधिक समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए भारत की तरफ उम्मीदों से देखा जा रहा है।

अरे बाप रे...आपकी सारी सीक्रेट बात सुन रहा आपका स्मार्टफोन

नई दिल्ली (ईएमएस)। कई बार ऐसा होता हैं कि कहीं बैठे हम जिस चीज के बारे में बात कर रहे होते हैं, तभी उसी चींज से जुड़ा विज्ञापन हमें फोन पर दिखाने लगाता है। ये काफी शॉकिंग होता है, क्योंकि जब कुछ सर्च ही नहीं किया, तब उस बात से जुड़ा विज्ञापन कैसे दिखाने लगा। इसका सीधा मतलब है कि फोन हमारी बातें सुन रहा है। इससे जुड़ी एक डराने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने वेरिफाई किया है कि स्मार्टफोन न सिर्फ यूजर्स की इंटरनेट एक्टिविटी पर न सिर्फ नजर रख रहे हैं, बल्कि जब आप अपने फोन के पास होते हैं, तब सक्रिय रूप से आपके बोले गए शब्दों को भी सुनते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि जब भी यूजर कोई नया एप डाउनलोड करते हैं, तब एप आप से कई परमिशन मांगता है। लोग बिना पढ़े एप की परमिशन को लागू कर देते हैं। इसमें माइक्रोफोन के लिए परमिशन मांगी जाती है। एप फिर एक्टिव लिस्निंग एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके फोन के माइक के जरिए लोगों की बातें सुनते हैं। रिपोर्ट में दावा है कि ऐसा सिर्फ छोटे एप नहीं बल्कि फेसबुक और गूगल जैसी दिग्गज कंपनियां भी कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा सिर्फ आपके स्मार्टफोन के साथ नहीं है बल्कि आपके घर के स्मार्ट डिवाइस भी ऐसा ही कर रहे हैं। फोन सहित कोई भी स्मार्ट डिवाइस आपकी रियल टाइम रिकॉर्ड की गई बातचीत को एआई की मदद से उनकी सर्च हिस्ट्री से मैच किया जाता है। इसके बाद यूज़र को उसी से जुड़े विज्ञापन दिखाई देने लग जाते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि कॉक्स मीडिया ग्रुप ने ऐसी तकनीक बनाई है जो स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी और दूसरे गैजेट्स में पाए जाने वाले माइक्रोफोन का इस्तेमाल करके बैकग्राउंड चैट को देख सकती है और उनका विश्लेषण कर सकती है।

बांग्लादेश में डेंगू से मरने वालों की संख्या सौ के करीब

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में मौजूदा साल में डेंगू बुखार से मरने वालों की संख्या 100 के करीब पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को तीन और मौतों की पुष्टि के बाद कुल मृत्यु संख्या 95 हो गई है।

गौरतलब है कि डेंगू बुखार से पीड़ित मरीजों के सबसे ज्यादा मामले मानसून के दौरान देखे जाते हैं, जो जून से सितंबर तक रहता है। ऐसे में सितंबर माह में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि अगस्त में 27, जुलाई में 12 और

गुजरात सरकारी इमारतों पर 48 मेगावाट क्षमता के सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित करेगा

गांधीनगर 08 सितंबर,

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम कर वर्ष 2030 तक भारत की 50 फीसदी विद्युत आपूर्ति गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा स्रोतों से सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विविध पहलें की हैं। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर वर्ष 2015 में पेरिस में आयोजित कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी-21) सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति ने संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) लॉन्च किया था। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग 121 देशों में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

भारत में उजाला योजना, राष्ट्रीय सौर मिशन, स्वच्छ भारत अभियान और ग्रीन ग्रोथ से संबंधित विभिन्न निर्णय पर्यावरण अनुकूल विकास की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दिखाते हैं। भारत के इस साझा उद्देश्य को हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात एक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य की विभिन्न सरकारी इमारतों पर वर्ष 2024-25 में 48 मेगावाट क्षमता के सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा इसके लिए 177.4 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

56.8 मेगावाट क्षमता के 3 हजार से अधिक सोलर रूफटॉप सिस्टम सक्रिय : गुजरात में 36 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा की संभावित क्षमता है। जिसका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार का जलवायु परिवर्तन विभाग विभिन्न सरकारी इमारतों की छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर रहा है। इस योजना के अंतर्गत मार्च, 2024 तक राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों की इमारतों पर 56.8 मेगावाट क्षमता के 3032 सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए गए हैं। वर्ष 2024-25 में 48 मेगावाट क्षमता के सिस्टम स्थापित होंगे : इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए इस वर्ष राज्य की विभिन्न सरकारी इमारतों पर 48 मेगावाट क्षमता के सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। राज्य सरकार ने इसके लिए 177.4 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

गुजरात में 2023-24 में 24765.3 मिलियन यूनिट नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन : नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में, विशेषकर सौर और पवन ऊर्जा क्षेत्र में गुजरात एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है। सोलर पार्क के निर्माण और सोलर रूफटॉप प्रणाली को घरों तक पहुंचाकर राज्य की असीम सौर क्षमता का बेहतरीन उपयोग किया गया है। चारणका सोलर पार्क जैसे प्रोजेक्ट की सफलता ने गुजरात को भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में शीर्ष पर पहुंचा दिया है। इसके अलावा, तटीय क्षेत्रों में विंड फॉर्म ने राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

वर्ष 2023-24 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार गुजरात में कुल 24,765.3 मिलियन यूनिट (एमयू) नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन हुआ है, जिसमें 9637 एमयू सोलर, 14,201 एमयू पवन, 885.325 हाइड्रो, 69 एमयू स्माल हाइड्रो और 42 एमयू बायोमास एवं बगास शामिल है।

जीवाश्म ईंधन दुनिया भर में ऊर्जा की खपत का मुख्य स्रोत है, लेकिन यह ईंधन सीमित समय के लिए ही उपलब्ध है और इसका पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव देखने को मिल रहा है। भावी पीढ़ी के लिए एक बेहतर भविष्य के लिए स्वच्छ पर्यावरण का निर्माण करना बहुतआवश्यक है। गुजरात ने इस जरूरतकोसमझतेहुएसोलर परियोजनाओं के इंफ्रास्ट्रक्चर को दमदार तरीके से कार्यान्वित किया है।

एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा का उपयोग कर गुजरात ने, नागरिकों की ऊर्जा जरूरतों, पर्यावरणीय संतुलन और आर्थिक विकास, तीनों पहलुओं को एक साथ संबोधित कर विकास की एक नई दिशा दिखाई है।

भारी बारिश के बाद वडोदरा में गड्ढे हो गए, निगम ने पिछले नौ दिनों में 4912 छोटे गड्ढे भरे

वडोदरा,8 सितंबर,

26 अगस्त को भारी बारिश के बाद वडोदरा में बाढ़ आ गई थी. तीन-चार दिनों तक बाढ़ का पानी भरा रहने के कारण सड़क बह गयी है और सड़क पर गड्ढे बन गये हैं. सड़क पर गिट्टी बहकर उबड़-खाबड़ हो गई है। जिससे वाहन चालकों और पैदल चलने वालों की हड्डियां टूट जाती हैं। बाढ़ कम होने के बाद आगामी त्योहारों को देखते हुए वडोदरा कॉर्पोरेशन की ओर से सड़क पर बने छोटे-छोटे गड्ढों को भरने का काम 30 तारीख से युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है. अब तक 7,4,912 छोटे-बड़े गड्ढे भरे जा चुके हैं। इस निर्माण में हॉट मिक्स, वेट मिक्स और कोल्ड मिक्स डामर सहित 3,513 मीट्रिक टन सामग्री का उपयोग किया गया है। 1643 बड़े गड्ढों को भरने के लिए 1678 मीट्रिक टन गर्म मिश्रण, 3241 छोटे गड्ढों को भरने के लिए 1877 मीट्रिक टन गीला मिश्रण और अन्य 28 गड्ढों को भरने के लिए 18 मीट्रिक टन ठंडा मिश्रण सामग्री। गड्ढे भरने का काम अभी भी जारी है.

स्थायी समिति अध्यक्ष डॉ. शीतल मिस्त्रिना के मुताबिक बारिश और बाढ़ के बाद शहर में मुख्य काम गड्ढों को भरना, पैच वर्क, प्रभावितों को सहायता वितरण और गणेश विश्राम को लेकर निगम द्वारा की जाने वाली तैयारी है. उन्होंने कहा कि निगम के साथ इस ऑपरेशन के पूरा होने के बाद दीर्घकालिक योजना को प्राथमिकता दी जाएगी. उन्होंने कहा कि फिलहाल शहर में कहीं भी ट्रैफिक सर्किल की जरूरत नहीं है, इसलिए शहर में मगरमच्छ सर्किल बनाने की बात में कोई सच्चाई नहीं है. स्थायी समिति के अध्यक्ष या आयुक्त को यह घेरा बनाने वाला कोई नहीं मिला. वर्तमान में स्क्रैप मगरमच्छ को पिछले कई समय से हरणी के मूर्तिकला पार्क में प्रदर्शित किया गया है।

मांजलपुर में कार व मोपेड के बीच हुई आकस्मिक मारपीट, दोनों पक्षों ने आमने-सामने दर्ज करायी शिकायत

वडोदरा,8 सितंबर,

पर्यटन व्यवसाय से जुड़ी महिला की कार और मोपेड के बीच टक्कर के बाद मोपेड चालक और उसके दोस्त ने मोपेड चालक और उसके दोस्त पर हमला कर दिया. इस संबंध में मांजलपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. मांजलपुर के चित्रकोट सोसायटी में रहने वाली नेहाबेन भरतकुमार सोनी प्रताप नगर में विहो ट्रिप नाम के ऑफिस में टूरिज्म का बिजनेस चलाती हैं। मांजलपुर थाने में शिकायत दर्ज करायी गयी है और कहा गया है कि कल दोपहर डेढ़ बजे मैंअपनेबेटे के साथ खाना खाने के लिए गोत्री जा रहा था. इसी दौरान मैं मारुतिधाम शंकर भगवान के मंदिर के पास वाली सड़क से गुजर रहा था. इसी बीच एक मोपेड ड्राइवर अचानक मेरी कार के सामने आ गया और मैंने ब्रेक लगा दिया. लेकिन,जब मेरी कार मोपेड के करीब पहुंची तो वह फिसल कर गिर गया. मोपेडवाले ने मुझसे कहा, उतर जाओ. जब मैं कारसेबाहर निकला तो उन्होंने मुझसे कहा,यहीं बैठो, तुम्हें कहीं नहीं जाना है.जब मैं गाड़ी के नुकसान के बारे में बात कर रहा था तो मोपेड चालक के दोस्त कबीर ने मुझे धक्का दे दिया। मेरे भाई प्रतीक सोनी ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर कबीर को धक्का देने का कारण पूछा तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज कर मारपीट की।

दूसरी ओर, इंजीनियरिंग के छात्र जयमिश संजय कुमार पटेल ने शिकायत दर्ज कराई है और कहा है कि दुर्घटना के कारण प्रतीक सोनी और लक्ष्मण भाई समेत तीन लोगों ने मुझ पर हमला किया.

अबडासा में 13 लोगों की मौत; राज्य सरकार की टीम दो दिन में देगी रिपोर्ट...

अब्डासा,8 सितंबर

कच्छ में विनाशकारी भारी बारिश के बाद, जल-जनित बीमारियाँ चिंताजनक रूप से सिर उठा रही हैं और निजी और सरकारी अस्पताल मरीजों से भर गए हैं, लखपत और अब्दासा के आंतरिक ग्रामीण इलाकों में दशकों से बसे जाट मालधारी परिवारों के सदस्यों की छिटपुट मौतों के अलावा किसी रहस्यमयी बीमारी के कारण बना है

जिला स्वास्थ्य व्यवस्था से मिली जानकारी के अनुसार पिछले पांच दिनों में 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से चार की मौत आज हुई है. भुज के एक निजी अस्पताल में आज पांच और लोगों को भर्ती कराया गया है और मृतकों में पांच बच्चे और 6 युवा हैं। मृतकों में 9 पुरुष और 4 महिला मरीज हैं, जिनमें पांच से 13 साल की उम्र के तीन लड़के और दो लड़कियां हैं। 18 से 44 वर्ष के छह युवा मरीज और एक 50 साल का मरीज शामिल है। 12 मृतकों में यह भी पता चला है कि 8 मरीजों की मौत भुज के निजी और सरकारी अस्पतालों में हुई, एक की मौत दयापर मास हेल्थ सेंटर में हुई और तीन अन्य की मौत उनके घरों पर हुई.

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मौत का कारण पता लगाने के लिए राजकोट कॉलेज और अदानी इंस्टीट्यूट से विशेषज्ञों की एक टीम भेजी गई है और यह टीम मौत का कारण जानने के लिए 2 दिनों के भीतर राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी और उसके बाद सरकार इस मुद्दे पर कार्रवाई शुरू करेगी. आपको बता दें कि लखपत में रहस्यमयी बीमारी से एक और शख्स की मौत हो गई है, आज इस बीमारी से एक और महिला की मौत हो गई है और अब तक कुल 13 लोगों की मौत हो चुकी है. उस समय, स्वास्थ्य विभाग मौत की तलाश में था और कच्छ में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा एक सर्वेक्षण किया गया था और घर-घर जाकर निगरानी भी की गई थी।

कच्छ जिले के कलेक्टर ने कहा कि लखपत तालुका में गंभीर बीमारी के कारण मौतें हो रही हैं. कच्छ के कलेक्टर ने इस बारे में जानकारी दी और कहा कि जहां लखपत तालुका के गांवों में इस बीमारी के कारण जाट समुदाय की मौत हो रही है, वहीं डेंगू, मलेरिया, एच1एन1 स्वाइन फ्लू और निमोनिया से संबंधित नमूने लेकर परिवार के सदस्यों की रिपोर्ट की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की 22 टीमों ने निगरानी की है। इस बीच, राज्य विभाग की टीमें भी सर्वेक्षण और आगे के सत्यापन के लिए वहां पहुंच गई हैं, साथ ही मनगवाना और दयापार पीएचसी केंद्रों के डॉक्टरों को भी ओपीआईडी जांच के लिए तैनात किया गया है।

कच्छ के लखपत के बेखड़ा, सैंड्रो, मोर्गर, माडी, भरवंध, वलावरी, लाखापार में शनिवार तक निमोनिया से 12 मौतें हो चुकी हैं। उस वक्त बढ़ती मौतों के बीच स्वास्थ्य व्यवस्था सोती नजर आई थी. घटना के सामने आने पर पंधरा जिला पंचायत की सदस्य मीनाबा जाडेजा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को पत्र लिखकर पूरी स्थिति की जानकारी दी और पत्र में मृतक के नाम के साथ जिला प्रशासन से उचित कार्रवाई करने की मांग की। पाकिस्तान की सीमा के निकट स्थित इस तालुका में चिकित्सा सेवाएं बढ़ा दीगई हैं।यहां 22 निगरानी दल और डॉक्टर तैनात किए गए हैं तथा एच1एन1, स्वाइन फ्लू, क्रीमियन-कांगो बुखार, मलेरिया और डेंगू के प्रसार की आशंका के निवारण के लिए निवासियों से नमूने लिए जा रहे हैं। प्रभावितक्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की 22 टीमें काम कर रही हैं।

साबरकांठाः उफनती नदी में कार समेत घसीटे गए दो लोग, वीडियो वायरल...

साबरकांठा, 8 सितंबर

मौसम विभागने अगले तीन दिनों तक उत्तर गुजरात के इलाकों में भारी बारिश कीभविष्यवाणी की है, जबकि ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण दोनों किनारों पर नदियां उफान पर हैं. मूसलाधार बारिश के बाद साबरकांठा के ईडर तालुक में कडियादराके पास नदी की तेज धारा में कारसमेत दो लोग फंस गए। इसके बादप्रशासननेदोनोंलोगोंको सफलता पूर्वक रेस्क्यू किया और उनकी जान बचालीगई.कलेक्टरने सोशल मीडिया पर पूरी घटना की जानकारी दी.

साबरकांठा के ईडर तालुका में कडियादराके पास नदी की तेज धारा में 2लोग कार के साथ घसीटे गए. पूरी घटना की सूचना स्थानीय आपदा विभागको दी गयी. इसके बाद ईडर और हिम्मतनगर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उफनती नदी में फंसे दोनों लोगों को बचाया.

पूरी घटना को लेकर साबरकांठा के कलेक्टर ने सोशल मीडिया माध्यम 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर कर घटना की जानकारी देते हुए कहा, 'इडर तालुका में करोल नदी पर वाडियाविर गांव के पास बने कॉजवे में एक जोड़ा कार वे साथफंस गया. नदी में फंसे लोगोंकोअग्निशमन दल और प्रणाली द्वारा सुरक्षितबचाया गया, बुनियादी स्वास्थ्य जांचऔर परामर्श दिया गया और सुरक्षित घर पहुंचाया गया।'

तरनेतर मेले में मल्टीमीडिया प्रदर्शनीःमुलुभाई बेरा ने की सराहना

सुरेंद्रनगर 8 सितंबर

तरनेतर मेले में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जूनागढ़ के केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा भारत 2047 थीम के तहत आयोजित मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का पर्यटन, सांस्कृतिक गतिविधियां, वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री मुलुभाई बेरा और मंत्री ने दौरा किया। कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन के राघवजीभाई पटेल। मंत्रियों ने प्रदर्शन पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी, सेल्फी बूथ, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का जीवंत अनुभव देने वाली आभासी वास्तविकता, मनकी बात की ऑडियो श्रृंखला और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देने वाले प्रचार साहित्य की भी सराहना की।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदर्शनी में आने वाले लोग यहां से विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. यह बहुत खुशी की बात है कि सरकार वाडा के लोगों को इस तरह की जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान कर रही है।

मंत्री के साथ विधानसभा के उप मुख्य संरक्षक जगदीशभाई मकवाणा, सुरेंद्रनगर सांसर्द दूभाई शिहोरा, लिमडी विधायकर्किरीट सिंह राणा, चोटिला विधायक शामजीभाई चौहान, धांगधा विधायक प्रकाशभाई वरमोरा, जिला पंचायत अध्यक्ष हरिकृष्णभाई पटेल और जिला एवं तालुक पदाधिकारी और अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

केंद्रीय संचार ब्यूरो जूनागढ़ के अधिकारी देवेन्द्र त्रिवेदी नेबताया कि 6तारीखसे शुरू हुई इस मल्टीमीडिया प्रदर्शनी में जनता को निःशुल्क प्रवेश दिया जा रहा है। मेले में आने वाले दर्शकों को प्रदर्शनी का अवलोकन कर केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिलरही है, साथ ही प्रदर्शनी में प्रस्तुत विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यमसे वे जागृत हो रहे हैं और राष्ट्रीय अभियानों से जुड़ रहे हैं।

अंबाजी में उबाला जा रहा 3 लाख 25 हजार किलो मोहनथाल

अंबाजा, 8 सितंबर

रानी अम्बा करे रे किल्लोल, कारे रे किल्लोल मदी कारे रे किल्लोल, अरासुर की रानी जैसे भक्तिमय गरबा से कोई भी गुजराती अनभिज्ञ नहीं है। जी हां, हम बात कर रहे हैं मां अम्बा की। राजस्थान की सीमा से सटे अंबाजी धाम में भद्रवी पूनम मेले की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं. मोहनथाल की महिमा अम्बाजी के प्रसाद से कम नहीं है। कोरोना काल में मोहनथाल का प्रसाद भले ही विवाद का कारण बन गया हो, लेकिन 12 सितंबर से एक सप्ताह तक चलने वाले भाद्रवी पूनम मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए करीब 3 लाख 25 हजार किलो मोहनथाल उबाला जा रहा है. अंबाजी महामेला में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को मोहनथाल प्रसाद आसानी से उपलब्ध कराने के लिए अंबाजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा मोहनथाल प्रसाद बनाने का कार्य न्यू कॉलेज में जिला आपूर्ति अधिकारी की अध्यक्षता में शुरू किया जा रहा है। इस साल ट्रस्ट 1000 घन यानी 3 लाख 25 हजार किलो मुहाना बनाने की योजना बना रहा है.

भद्रवी पूनम मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद चढ़ाने में आसानी के लिए अंबाजी स्थित नए कॉलेज के प्रसादघर में मोहनथाल बनाने का काम शुरू हो गया है. बेसन, दूध, केला घी, चीनी, इलायची जैसे पोषक तत्वों के साथ उच्च गुणवत्ता वाला प्रसाद तैयार करने के लिए इस मोहनथाल की निगरानी भी की जा रही है। फिर इन्हें बक्सों में पैक किया जाता है और फिर मंदिर और विभिन्न प्रसाद बिंदुओं पर बिक्री के लिए रखा जाता है।

अम्बाजी मंदिर के प्रशासक कौशिक मोदी ने कहा कि इस वर्ष अम्बाजी में भाद्रवी पूनम मेले के अवसर पर भक्तों के लिए प्रचुर मोहनथाल प्रसाद बनाया जाएगा। फिलहाल अंबाजी ट्रस्ट की ओर से 1000 घना तैयार किया जा रहा है. जिसमें1घन325 किलो के बराबर होता है, इस तरह पूरे मेले के दौरान 3 लाख 25 हजार किलो मोहनथाल प्रसाद बनेगा. प्रसाद भंडारण का कार्य पहले ही शुरू हो चुका है और अधिक प्रसाद की आवश्यकता होने पर अधिक प्रसाद बनाने के लिए पर्याप्त तैयारी की गई है। गब्बर पर अंबाजी मंदिर सहित 14 प्रसाद वितरण केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

प्रताप नगर इलाके में स्थित शोरूम में लगी भीषण आग

वडोदरा,8 सितंबर,

प्रताप नगर इलाके में देर रात एक दोपहिया वाहन के शोरूम में भीषण आग लग गई. फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। सौभाग्य से रात का समय होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ।

फायर ब्रिगेड सूत्रों के अनुसार दुपहिया वाहन शोरूम प्रताप नगर सिंधवई माता रोड पर स्थित है। बीती देर रात अज्ञात कारणों से शो रूम में आग लग गई। रात डेढ़ बजे फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना मिली तो फायर ऑफिसर समेत कर्मचारी मौके पर पहुंचे। रात डेढ़ बजे शुरू हुआ आग बुझाने का काम सुबह साढ़े छह बजे तक जारी रहा. आग बुझाने के लिए 10 पानी के टैंकर और दमकल गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया. रात का समय होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ। लेकिन पास में रिहायशी इलाका होने के कारण घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी. सौभाग्य से रात का समय होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ। आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है. अज्ञात कारणों से शो रूम में आग लग गई। रात डेढ़ बजे फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना मिली तो फायर ऑफिसर समेत कर्मचारी मौके पर पहुंचे।

सरकारी इमारतों को लेकर गुजरात सरकार का बड़ा फैसला, सोलर रुफटॉप सिस्टम लगाए जाएंगे

गांधीनगर (ईएमएस)प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम कर वर्ष 2030 तक भारत की 50 फीसदी विद्युत आपूर्ति गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा स्रोतों से सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विविध पहलें की हैं। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर वर्ष 2015 में पेरिस में आयोजित कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी-21) सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति ने संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) लॉन्च किया था। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग 121 देशों में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। भारत में उजाला योजना, राष्ट्रीय सौर मिशन, स्वच्छ भारत अभियान और ग्रीन ग्रोथ से संबंधित विभिन्न निर्णय पर्यावरण अनुकूल विकास की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दिखाते हैं। भारत के इस साझा उद्देश्य को हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात एक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य की विभिन्न सरकारी इमारतों पर वर्ष 2024-25 में 48 मेगावाट क्षमता के सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा इसके लिए 177.4 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

56.8 मेगावाट क्षमता के 3 हजार से अधिक सोलर रूफटॉप सिस्टम सक्रिय

गुजरात में 36 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा की संभावित क्षमता है। जिसका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार का जलवायु परिवर्तन विभाग विभिन्न सरकारी इमारतों की छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर रहा है। इस योजना के अंतर्गत मार्च, 2024 तक राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों की इमारतों पर 56.8 मेगावाट क्षमता के 3032 सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए गए हैं। इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए इस वर्ष राज्य की विभिन्न सरकारी इमारतों पर 48 मेगावाट क्षमता के सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। राज्य सरकार ने इसके लिए 177.4 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

गुजरात में 2023-24 में 24765.3 मिलियन यूनिट नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में, विशेषकर सौर और पवन ऊर्जा क्षेत्र में गुजरात एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है। सोलर पार्क के निर्माण और सोलर रूफटॉप प्रणाली को घरों तक पहुंचाकर राज्य की असीम सौर क्षमता का बेहतरीन उपयोग किया गया है। चारणका सोलर पार्क जैसे प्रोजेक्ट की सफलता ने गुजरात को भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में शीर्ष पर पहुंचा दिया है। इसके अलावा, तटीय क्षेत्रों में विंड फॉर्म ने राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वर्ष 2023-24 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार गुजरात में कुल 24,765.3 मिलियन यूनिट (एमयू) नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन हुआ है, जिसमें 9637 एमयू सोलर, 14,201 एमयू पवन, 885.325 हाइड्रो, 69 एमयू स्माल हाइड्रो और 42 एमयू बायोमास एवं बगास शामिल है। जीवाश्म ईंधन दुनिया भर में ऊर्जा की खपत का मुख्य स्रोत है, लेकिन यह ईंधन सीमित समय के लिए ही उपलब्ध है और इसका पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव देखने को मिल रहा है। भावी पीढ़ी के लिए एक बेहतर भविष्य के लिए स्वच्छ पर्यावरण का निर्माण करना बहुत आवश्यक है। गुजरात ने इस जरूरत को समझते हुए सोलर परियोजनाओं के इंफ्रास्ट्रक्चर को दमदार तरीके से कार्यान्वित किया है। एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा का उपयोग कर गुजरात ने, नागरिकों की ऊर्जा जरूरतों, पर्यावरणीय संतुलन और आर्थिक विकास, तीनों पहलुओं को एक साथ संबोधित कर विकास की एक नई दिशा दिखाई है।

आज और कल पांच कृत्रिम तालाबों में हो सकेगा श्रीजी विसर्जन समारोह

वडोदरा,8 सितंबर

शहर में गणेशोत्सव शुरू हो चुका है, इसके साथ ही घर में विराजमान श्रीजी की छोटी-छोटी मूर्तियों का भी विसर्जन शुरू हो गया है. वडोदरा कॉर्पोरेशन की ओर से पांच कृत्रिम झीलें बनाई गई हैं. इन झीलों में समा झील, नवलखी झील, दशमन झील, एसएसवी स्कूल के सामने और मंजलपुर झील शामिल हैं। इस बीच, निगम ने गणेश विसर्जन के लिए लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय पहनने और केवल नामित तैराकों द्वारा ही विसर्जन समारोह आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

अगले तीन दिनों तक भारी बारिश का अनुमान, पिछले 24 घंटों में 50 तालुका में बारिश हुई

गांधीनगर,8 सितंबर

मानसून के आखिरी चरण के दौरान राज्य में मेघराज ने कुछ दिनों के लिए ब्रेक लिया है, मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक राज्य में गरज के साथ भारी बारिश की भविष्य वाणी की है. 11 सितंबर तक मध्य और उत्तरी गुजरात के कुछ इलाकों में गरज के साथ भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है. पिछले 24 घंटों में राज्य के 50 तालुकाओं में बारिश हुई है।

पिछले 24घंटों में राज्य के 50 तालुकाओं में बारिश हुई है. जिसमें भरूच वालिया में 111 मिमी. और भरूच में79मिमी,बोटाद के बरवाला में63मिमी,नवसारी के वांसदा में 52 मिमी। बरस गया बादल का पानी।

जहांराज्य में कुछ दिनों के ब्रेक के बादमेघराजा बारिश का मूड बना हुआ है, वहीं मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में उत्तर गुजरात के कुछ हिस्सों में गरज के साथ भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। भारी बारिश के बाद 9 सितंबर को साबरकांठा, अरावली, महिसागर और दाहोद जिलों में येलोअलर्ट घोषित किया गया है। इसकेअलावा29जिलोंमेंकोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है. जबकि 10 सितंबर को बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली,महिसागर, दाहोद जिलों के छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश के कारण येलोअलर्ट घोषित किया गया है. मौसम विभाग ने 11 सितंबर तक राज्य के मध्य और उत्तरी गुजरात इलाकों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है.

भाद्रपद पूर्णिमा मेला को लेकर अम्बाजी मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाया गया

बनासकांठा (ईएमएस) 51 शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ उत्तर गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित हैं जहां भाद्रपद पूर्णिमा पर होनेवाले मेला में लाखों की संख्या श्रद्धालु आते हैं हजारों श्रद्धालु कई किलोमीटर की पद यात्रा कर अम्बाजी के दर्शन करते हैं पूर्णिमा मेला के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट ने दर्शन के समय में वृद्धि की हैं दरअसल अंबाजी में भाद्रपद पूर्णिमा का मेला 12 सितंबर से शुरू होने जा रहा हैं 7 दिनों का यह मेला 18 सितंबर 2024 तक चलेगा इस दौरान गुजरात समेत देशभर से लाखों की संख्या श्रद्धालु अम्बाजी के दर्शन करने आएंगे 7 दिनों के मेला को देखते हुए दर्शन आरती के समय में परिवर्तन किया गया है ताकि मेला में आने वाले लाखों पदयात्रियों को शांति और सहजता से दर्शन का लाभ मिल सके। लाखों की संख्या में श्रद्धालु आएंगे और सभी को दर्शन का लाभ मिले इसके लिए दर्शन का समय भी बढ़ाया गया हैं मेले के सातों दिन प्रातः 07.30 बजे होने वाली आरती के स्थान पर प्रातः 06.00 बजे से 06.30 बजे तक आरती होगी। प्रातः दर्शन 06.30 से 11.30 बजे तक। जबकि दोपहर के दर्शन 12.30 बजे से शाम 05.00 बजे तक खुले रहेंगे ट्रस्ट ने मंदिर को शाम की आरती 07.00 से 07.30 बजे तक और रात्रि दर्शन 07.30 से 09.00 बजे के बजाय देर रात 12.00 बजे तक खुला रखने का निर्णय लिया है।

नरोड़ा में कूड़ेदान से नवजात बच्ची मिली

शनिवार शाम 5:50 बजे 108 ऑफिस में एक फोन की घंटी बजती है...फोन करने वाला कहता है, 'नरोदा बस स्टैंड के कूड़ेदान में एक नवजात बच्ची मिली है...'

इतना सुनते ही प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं के लिए हमेशा तैयार रहने वाली 108 प्रणाली तुरंत हरकत में आ गई, कॉल मिलने के कुछ ही मिनटों के भीतर एम्बुलेंस नरोड़ा बस स्टैंड पहुंच गई और बच्चे को तुरंत 1200 बिस्तर वाले अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिविल परिसर में अस्पताल.

रॉकेट की दौड़ती जिंदगी में आज एक ऐसी घटना सामने आई है जहां इंसानियत दम तोड़ रही है। गुजरात की जीवन रेखा मानी जाने वाली 108 एम्बुलेंस सेवा में आज एक और मामला सामने आया, जिसमें 108 की सेवा प्रणाली ने एक नवजात बच्ची को बचाने का सेवा कार्य किया है।

घटना की जानकारी के मुताबिक नरोड़ा लोकेशन के ईएमटी मनीषा मकवाना और पायलट जयेशभाई को फोन आया कि कॉलर (कॉलर) के मुताबिक नरोड़ा बस स्टैंड पर एक नवजात बच्ची कूड़ेदान में गिर गई है. सूचना मिलते ही पांच से छह मिनट के अंदर 108 एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गयी. उसका मौके पर ही इलाज किया गया और तुरंत उसे एंबुलेंस में ले जाया गया... उसे अहमदाबाद सिविल अस्पताल के 1200 बेड पर ले जाया गया, जहां एंबुलेंस में ऑक्सीजन की मदद से उसका इलाज किया गया... ताजा जानकारी के मुताबिक, बच्ची अब स्वस्थ।

माँ को इस नवजात बच्ची को क्यों छोड़ना पड़ा? प्रकृति की हरियाली देखिए, एक मां ने त्याग दिया और एंबुलेंस में ईएमटी ने मनीषाबे को एक मां की तरह माना और उसे अस्पताल में भर्ती कराया और शायद अस्पताल में एक नर्स के रूप में भी कई मांएं अपनी बच्ची की देखभाल कर रही हैं...' जैसी कहावतें 'राम रहके एते कोने चाखे' ऐसी घटनाओं को ध्यान में रखते हुए ही पड़ा होगा.

यह समाज को शर्मसार करने वाली घटना है लेकिन आज एक बार फिर 108 जो कि सिर्फ एक नंबर नहीं बल्कि गुजरात की लाइफलाइन सेवा है, ने एक जिंदगी बचाने का अहम उदाहरण पेश किया है...

आणंद – गोधरा सेक्शन के बीच 11 सितम्बर से 30 सितम्बर तक मेमू ट्रेनें रद्द रहेगी

पश्चिम रेलवे के आणंद – गोधरा सेक्शन के बीच दौहरीकरण कार्य के चलते ब्लॉक लिए जाने के कारण 11 सितम्बर से 30 सितम्बर तक मेमू ट्रेनें रद्द रहेगी।

1.ट्रेन नं 09131 आणंद – गोधरा मेमू ट्रेन11 सितम्बर से 30 सितम्बर तक रद्दर हेगी 2.ट्रेन नं 09132 गोधरा - आणंदमेमू ट्रेन11सितम्बर से 30 सितम्बर तक रद्द रहेगी 3.ट्रेन नं 09379 आणंद – डाकोर मेमू ट्रेन 11 सितम्बर से 30 सितम्बर तक रद्द रहेगी 4.ट्रेन नं 09380 डाकोर- आणंद मेमू ट्रेन 11सितम्बर से 30 सितम्बर तक रद्द रहेगी

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें:

ङ ट्रेन नं 19319 वेरावल-इंदौर महामना एक्सप्रेस को 11.09.24, 18.09.24, और 25.09.24 को परिवर्तित मार्ग वाया आणंद- बाजवा - छायापुरी – गोधरा से चलाया जाएगा।

ङ ट्रेन नं 20936 इंदौर–गांधीधाम सुपरफास्ट को 15.09.24, 22.09.24 और 29.09.24 को परिवर्तित मार्